संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 236
पृष्ठ 8
शनिवार
16 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सिरदर्द को दूर भगाएगा नानी...

विचार- पिंजरे का तोता और रबर स्टैंप...

खेल- संन्यास से पहले यह पल जी पाया...

भारत यूएई रक्षा समझौता होते ही बोले पीएम मोदी

अमीरात को निशाना बनाया जाना स्वीकार्य नहीं

संयुक्त अरब अमीरात, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज संयुक्त अरब अमीरात की संक्षिप्त लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने पर जोर दिया। अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नहयान के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच रणनीतिक सहयोग का महत्व और अधिक बढ़ गया है। उन्होंने जनवरी में राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद की भारत यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देशों ने संबंधों को गुणात्मक रूप से नई ऊंचाई पर ले जाने का निर्णय लिया था और कम समय में ही उल्लेखनीय प्रगति हासिल की गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव और संघर्ष पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। उन्होंने

स्पष्ट कहा कि संवाद और कूटनीति ही किसी भी विवाद का सर्वोत्तम समाधान है। इस दौरान उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को "मुक्त, खुला और सुरक्षित" बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया तथा अंतरराष्ट्रीय कानूनों के सम्मान की बात कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हर परिस्थिति में संयुक्त अरब अमीरात के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता बहाल करने के लिए हर संभव सहयोग देगा। वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने हाल के दिनों में संयुक्त अरब अमीरात पर हुए हमलों की कड़ी निंदा भी की। उन्होंने कहा कि किसी भी रूप में अमीरात को निशाना बनाया जाना स्वीकार्य नहीं है। प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात के नेतृत्व द्वारा राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना की। साथ ही उन्होंने वहां रह रहे भारतीय समुदाय को कठिन समय में सहयोग देने के लिए अमीरात सरकार और शाही परिवार का आभार जताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात में भारतीयों को परिवार के सदस्य की तरह सम्मान और सुरक्षा मिलती है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच रक्षा, ऊर्जा और निवेश से जुड़े कई महत्वपूर्ण समझौते भी हुए। दोनों देशों ने रणनीतिक रक्षा साझेदारी के ढांचे पर सहमति जताई। इसके अलावा रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस आपूर्ति तथा वाडीनार में जहाज मरम्मत केंद्र स्थापित करने से संबंधित समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इस यात्रा के दौरान भारतीय आधारभूत ढांचा परियोजनाओं, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में लगभग पांच अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणाएं भी की गईं। ऊर्जा सुरक्षा इस यात्रा का प्रमुख विषय रही। अधिकारियों के अनुसार संयुक्त अरब अमीरात भारत की ऊर्जा जरूरतों का एक महत्वपूर्ण भाग पूरा करता है। पिछले वर्ष भारत के कच्चे तेल आयात का लगभग ग्यारह प्रतिशत हिस्सा संयुक्त अरब अमीरात से आया था। इसके साथ ही यह भारत के लिए द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और भारत की लगभग चालीस प्रतिशत आवश्यकता पूरी करता है। दोनों देशों के बीच रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण को लेकर पहले भी सहयोग रहा है। वर्ष 2018 में भारतीय सामरिक पेट्रोलियम भंडार लिमिटेड और अबू धाबी राष्ट्रीय तेल कंपनी के बीच समझौते के तहत मैंगलोर स्थित भंडारण केंद्र में पांच मिलियन बैरल से अधिक कच्चे तेल का भंडारण किया गया था। देखा जाये तो पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और अस्थिरता के बीच प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा विशेष महत्व रखती है। ईरान और अमेरिका–इजराइल के बीच बढ़ते तनाव तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है। ऐसे समय में संयुक्त अरब अमीरात भारत के सबसे भरोसेमंद ऊर्जा साझेदार के रूप में उभरा है। बताया जा रहा है कि दोनों देश होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भरता कम करने के विकल्पों पर भी विचार कर रहे हैं।

कुछ बेरोजगार युवा तिलचट्टों की तरह हैं, जो व्यवस्था पर हमले करते हैं

● शीर्ष कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत ने शुक्रवार को कुछ बेरोजगार युवाओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वे तिलचट्टों जैसे हैं, जो आगे चलकर मीडिया, सोशल मीडिया और आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं। फिर व्यवस्था पर सवाल उठाने लगते हैं। यह टिप्पणी उस समय आई ,जब मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ एक वकील की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में वकील ने वरिष्ठ वकील का दर्जा पाने की कोशिश कर रहा था। कोर्ट ने इस पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि समाज में पहले से ही कुछ ऐसे परजीवी मौजूद हैं, जो व्यवस्था पर लगातार हमला करते हैं। पीठ ने याचिकाकर्ता वकील से कहा, पूरी दुनिया वरिष्ठ (वकील) बनने के योग्य हो सकती है, लेकिन कम से कम आप तो इसके हकदार नहीं हैं। सीजेई ने स्पष्ट रूप से टिप्पणी की कि अगर दिल्ली हाईकोर्ट याचिकाकर्ता को वरिष्ठ वकील का पदनाम प्रदान करता है, तो सुप्रीम कोर्ट उनके पेशेवर आचरण को देखते हुए इसे रद्द कर देगा।

सीजेआई ने फेसबुक पर याचिकाकर्ता की ओर से इस्तेमाल की गई भाषा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी हैं, जो सिस्टम पर हमला करते हैं और आप उनसे हाथ मिलाना चाहते हैं? उन्होंने कहा, कई युवा तिलचट्टों की तरह हैं, जिन्हें न तो कोई नौकरी मिलती है और न ही पेशे में कोई जगह। उनमें से कुछ मीडिया में चले जाते हैं। कुछ सोशल मीडिया कार्यकर्ता बन जाते हैं। कुछ आरटीआई कार्यकर्ता और अन्य कार्यकर्ता बन जाते हैं और फिर वे हर किसी पर हमला करने लगते हैं।

पीठ ने याचिकाकर्ता से यह भी पूछा कि क्या उसके खिलाफ कोई अन्य मुकदमा नहीं है। पीठ ने पूछा, क्या यह उस व्यक्ति का आचरण है जो वरिष्ठ वकील के रूप में नामित होना चाहता है? कोर्ट ने कहा, वरिष्ठ वकील का पदनाम एक ऐसी चीज है, जो किसी व्यक्ति को प्रदान की जाती है और इसके लिए प्रयास नहीं किया जाना चाहिए।

महराजगंज में सीएम योगी बोले...

छोटे-छोटे प्रयास कर हम डीजल व पेट्रोल के दुरुपयोग को रोक सकते हैं

महराजगंज,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश के विकास का ग्रोथ इंजन बना है। विकास की प्रक्रिया बिना रुके, बिना डिगे, बिना थके व बिना झुके चलती रहेगी। 2017 के पहले प्रदेश का विकास रुका था। माफिया गरीबों की संपत्तियों पर कब्जा कर रहे थे। सपा, बसपा व कांग्रेस के शासनकाल में अयोध्या में श्रीराम मंदिर व बनारस में काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण नहीं हो पाता। यह पार्टियां कार्य में स्वयं बांधा बनी थी। इसी के चलते पश्चिम बंगाल की जनता ने भी इन्हें उखाड़ फेंका। मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ शुक्रवार नौतनवा में 208 करोड़ रुपये से अधिक की 79 परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के चलते डीजल, पेट्रोल व एलपीजी की सप्लाई पर व्यापक असर पड़ा है। प्रतिदिन भारत सरकार को हजारों करोड़ रुपये

का नुकसान हो रहा है। कहा कि इस समय विपक्ष के नाकारात्मक नेरेटिव से बचना है। हमें प्रधानमंत्री के साथ खड़े रहना है। छोटे–छोटे प्रयास कर हम डीजल व पेट्रोल के दुरुपयोग को रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में तेजी से विकास हो रहा है। सड़कें बेहतर हुईं हैं। शिक्षा व चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर कार्य हुए हैं। महराजगंज सहित प्रदेश के सभी जिलों में मंदिरों का भी कायाकल्प कराया गया है। पहले यह रुपया कब्रिस्तान के बाउंड्रीवाल के निर्माण के लिए खर्च किया जाता था। पूर्ववर्ती सरकारों ने स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास पर ध्यान नहीं दिया। इंसेफलाइटिस से पूर्वी उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में नौनिहाल प्रभावित होते थे। अब डलब इंजन की सरकार में उत्तर प्रदेश बीमारू प्रदेश नहीं रह गया है। यहां के लोगों को पहचान का संकट नहीं है। देश में सबसे अधिक एक्सप्रेस –वे, मैट्रो, एयरपोर्ट यूपी में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत व नेपाल दोनों मित्र देश के रूप मेंसाझी विरासत का प्रतिनिधित्व करते हैं। दोनों के बीच रोटी–बेटी का संबंध है। दोनों देशों के बीच बिना किसी बांधा के आवागमन होता है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण इस क्षेत्र का विकास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नौतनवा विधानसभा में भाजपा गठबंधन के प्रत्याशी को पहली बार विजय मिली।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा–

यह परीक्षा माफियाओं और असामाजिक तत्त्वों के खिलाफ लंबी लड़ाई है

● अब 21 जून को दोबारा होगी परीक्षा
● अगले साल से ऑनलाइन परीक्षा

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) नीट यूजी–2026 की दोबारा परीक्षा की नई तारीख की घोषणा कर दी है। परीक्षा की नई तारीख 21 जून तय की गई है। तारीख की घोषणा के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा, हम छात्रों के भविष्य के प्रति संवेदनशील हैं। माफियाओं को सफल नहीं होने देंगे। ऐसे लोगों के खिलाफ सरकार बर्दाश्त न करने की नीति अपना रही है। शिक्षा मंत्री ने इस बात को माना कि नीट का पेपर लीक हुआ। उन्होंने माना कि राधाकृष्णन आयोग की रिपोर्ट को पूरी तरह से लागू करने के बावजूद कमान श्रृंखला में सेंध लगी थी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) इस मामले की तह तक जाएगी। गड़बड़ी की कोशिश करने वालों को सजा दी जाएगी। दोबारा परीक्षा देने में छात्रों पर कोई आर्थिक बोझ न आए इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुधार के लिए कई सुझाव आए हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, अभी एनटीए ने नीट–यूज की नई परीक्षा की तारीख की घोषणा की है। 21 जून को दोबारा परीक्षा की तारीख की घोषणा की है। छात्रों का भविष्य, उनके परिश्रम के प्रति संवेदनशीलता हमारी प्राथमिकता है। तीन मई को परीक्षा हुई थी और सात मई को एनटीए के पास कहीं से आपत्ति आई कि गेस पेपर में ऐसे कुछ प्रश्न आए हैं, जो इस बार के पेपर में थे। एनटीए और सरकार ने तुरंत उसकी जांच की। राज्यों की एजेसियों से संपर्क किया गया। जब हम स्पष्ट हुए कि इस बार पेपर लीक हुआ है, हम नहीं चाहते थे कि शिक्षा माफियाओं के षड्यंत्र के कारण किसी भी सही छात्र के अधिकार वंचित हो जाएं। इसलिए हमने 12 मई को परीक्षा को रद्द कर दिया। हमने आज परीक्षा की नई तिथि की घोषणा की। उन्होंने आगे कहा, यह परीक्षा माफियाओं और असामाजिक तत्त्वों के खिलाफ लंबी लड़ाई है। तकनीक के समय में एक चुनौती बन रही है। विभिन्न प्रकार के सोशल मीडिया हैंडल से भ्रमात्मक तथ्यों को रखा जाता है, गुमराह करने की कोशिश की जाती है। सरकार ने सीबीआई को(जांच के लिए) काम सौंपा है। सीबीआई ने त्वरित कार्रवाई शुरु की है और इस बार सीबीआई तह तक जाएगी। सभी विभागों ने इसे गंभीरता से लिया है। हम इस बार गड़बड़ी नहीं होने देंगे। यह छात्रों के पक्ष में निर्णय लिया गया है। प्रधान ने कहा, अब जो परीक्षा होगी, उसकी कोई फीस नहीं होगी। विद्यार्थियों पर कोई आर्थिक बोझ ना आए, हम उसका दायित्व ले रहे हैं। परीक्षा का समय भी बढ़ाया जाएगा। परीक्षा दोपहर 2 बजे से लेकर 5रू15 बजे तक होगी। उन्होंने यह भी कहा, अगले साल से नीट की परीक्षा कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट(सीबीटी) मोड से आयोजित होगी। इससे पहले, गुरुवार को प्रधान ने भी नीट–यूजी परीक्षा को दोबारा आयोजित कराने के मुद्दे पर उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की थी। इस अहम बैठक में शिक्षा मंत्रालय और परीक्षा कराने वाली एजेंसी के कई बड़े अधिकारी शामिल हुए थे। इस बैठक का मकसद यही था कि रद्द हुई परीक्षा को अब नए सिरे से कैसे कराया जाए, ताकि आगे कोई भी

गड़बड़ी न हो। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि इस बार दोबारा परीक्षा पूरी तरह से पारदर्शी और सुरक्षित तरीके से हो, जिससे दिन–रात मेहनत करने वाले छात्रों के साथ कोई अन्याय न हो। हाल ही में नीट–यूजी परीक्षा में कई तरह की बड़ी गड़बड़ियों और पेपर लीक के गंभीर आरोप लगे थे। इन आरोपों के कारण छात्रों में भारी आक्रोश था और पूरे देश में विरोधा प्रदर्शन हो रहे थे। हालात की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने पुरानी परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया। अब चूंकि परीक्षा दोबारा होनी है, इसलिए नया शेड्यूल बनाने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के लिए शिक्षा मंत्री ने खुद मोर्चा संभालते हुए यह बैठक बुलाई थी। इस उच्च स्तरीय बैठक में इस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया गया कि परीक्षा के पेपर को लीक होने से कैसे बचाया जाए। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा बढ़ाने और पेपर बांटने के तरीके में कड़े बदलाव करने पर लंबी चर्चा की। सरकार की कोशिश है कि नया सिस्टम ऐसा हो जिसे कोई भी हैक या लीक न कर सके। इसके लिए नई और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करने पर भी गहराई से विचार किया जा रहा है ताकि परीक्षा पूरी तरह से सुरक्षित रहे। परीक्षा की तारीख की घोषणा करते हुए एनटीए ने कहा कि उसने केंद्र सरकार की अनुमति के बाद नीट–यूजी–2026 की पुनरू परीक्षा रविवार 21 जून 2026 को आयोजित करने का निर्णय लिया है।

आसमान के पंजे हैं ड्रोन : भारतीय वायुसेना प्रमुख

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने आधुनिक युद्ध में ड्रोन और अनमैन्ड एरियल सिस्टम की बढ़ती भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब ड्रोन केवल आसमान की आंखें नहीं रहे, बल्कि आसमान के पंजे बन चुके हैं। यानी अब इनका इस्तेमाल सिर्फ निगरानी तक सीमित नहीं है, बल्कि ये सीधे हमला करने और दुश्मन को नुकसान पहुंचाने की क्षमता भी रखते हैं। दिल्ली के सुब्रतो पार्क में आयोजित एक रक्षा संगोष्ठी में बोलते हुए एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि आधुनिक युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और अब लड़ाई पारंपरिक तरीके से हटकर तकनीक आधारित हो गई है। उन्होंने कहा कि ड्रोन और काउंटर–ड्रोन सिस्टम अब भविष्य की नहीं, बल्कि वर्तमान की जरूरत बन चुके हैं। उन्होंने साफ कहा कि युद्ध का मैदान अब पूरी तरह विकेंद्रीकृत और ऑटोमेटेड सिस्टम की ओर बढ़ रहा है। एयर चीफ ने हालिया संघर्षों और ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने इस दौरान ड्रोन हमलों और दुश्मन की गतिविधियों का प्रभावी तरीके से मुकाबला किया।

दुनिया के मुकाबले भारत में सबसे कम बढ़े तेल के दाम-अमित मालवीय

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत में तेल–गैस की कीमतों में इजाफा होने के बाद भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने सरकार के फैसले का बचाव किया है। भाजपा नेताओं ने भारत और अन्य देशों में तेल कीमतों में बढ़ोतरी की तुलना की। साथ ही, दावा किया कि बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों में भारत वह देश रहा है, जहां आम नागरिकों पर सबसे कम बोझ पड़ा। उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी को हर चीज का राजनीतिकरण करने पर शर्म आनी चाहिए। भाजपा नेता अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद दुनिया भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भारी उछाल आया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने और तेल आपूर्ति बाधित होने के कारण अप्रैल और मई के अधिकांश समय ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना रहा। इसका असर दुनिया की लगभग हर अर्थव्यवस्था में सीधे पेट्रोल पंपों पर दिखाई दिया। लेकिन भारत इस पूरी तस्वीर में एक अलग और उल्लेखनीय अपवाद बनकर उभरा है। उन्होंने बताया कि 23 फरवरी से 15 मई के बीच अधिकांश देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तेज वृद्धि हुई। अमित मालवीय के अनुसार,

अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें 44.5 प्रतिशत बढ़ीं और डीजल की कीमतों में 48.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। पाकिस्तान में पेट्रोल के दाम 54.9 प्रतिशत और डीजल के दाम 44.9 प्रतिशत बढ़े हैं। ब्रिटेन में पेट्रोल की कीमत में 19.2 प्रतिशत और डीजल की कीमत में 34.2 प्रतिशत का इजाफा हुआ। अमित मालवीय ने बताया कि जर्मनी में पेट्रोल के दाम 13.7 प्रतिशत और डीजल के दाम 19.8 प्रतिशत बढ़े, जबकि जापान में पेट्रोल की कीमत 9.7 प्रतिशत और डीजल 11.2 प्रतिशत बढ़ी। भाजपा नेता ने यह भी बताया कि म्यांमार में पेट्रोल की कीमत में सबसे अधिक 89.7 प्रतिशत और डीजल की कीमत में 112.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। भाजपा नेता ने कहा कि इन देशों के मुकाबले भारत में पेट्रोल डीजल के सबसे कम दाम बढ़े हैं। उन्होंने कहा, भारत में वृद्धि सबसे कम रही, जहां पेट्रोल की कीमत में 3.2 प्रतिशत और डीजल की कीमत में 3.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।श उन्होंने पोस्ट में लिखा, श्केवल सऊदी अरब में कोई वृद्धि नहीं हुई, क्योंकि वहां प्रत्यक्ष सरकारी सब्सिडी व्यवस्था लागू है। लेकिन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत वह देश रहा जहां आम नागरिकों पर सबसे कम बोझ पड़ा। यह अपने आप नहीं हुआ। अमित मालवीय गहराने के बाद पूरे 76 दिनों तक भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों, जिनकी खुदरा बाजार में लगभग 90 प्रतिशत हिस्सेदारी है, ने अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का बोझ सीधे जनता पर नहीं डाला। उन्होंने स्वयं लागत का बड़ा हिस्सा वहन किया। रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रतिदिन लगभग 1000 करोड़ रुपए तक की अंडर–रिकवरी हो रही थी।

भाजपा नेता ने कहा कि 15 मई को घोषित 3 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि लगभग चार वर्षों में पहली बढ़ोतरी है और यह करीब 95 रुपए प्रति लीटर के आधार मूल्य पर सिर्फ लगभग 3.5 प्रतिशत की वृद्धि बैठती है।

गंगा में बिरयानी के अवशेष फेंकने के मामले में हाईकोर्ट ने आठ आरोपियों को दी जमानत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी में नाव पर रोजा इफ्तार करने के दौरान बिरयानी के अवशेष गंगा में फेंकने के मामले में आठ आरोपियों की जमानत मंजूर कर ली है।इस मामले में 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी में नाव पर रोजा इफ्तार करने के दौरान बिरयानी के अवशेष गंगा में फेंकने के मामले में आठ आरोपियों की जमानत मंजूर कर ली है। इस मामले में 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया था। छह लोगों

को अभी जमानत नहीं मिली है। जस्टिस राजीव लोचन शुक्ला ने पांच और जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की सिंगल बेंच ने तीन आरोपियों की अलग–अलग याचिकाओं पर जमानत दी है।

आरोपियों द्वारा एफिडेविट में माफी मांगे जाने के आधार पर कोर्ट ने राहत दी है। जस्टिस राजीव लोचन शुक्ला की सिंगल बेंच ने याचिकाकर्ता मोहम्मद आजाद अली, मोहम्मद तहसीम, निहाल अफरीदी, मोहम्मद तौसीफ और मोहम्मद अनस की जमानत अर्जी को मंजूर की है। जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की सिंगल बेंच ने याचिकाकर्ता मोहम्मद समीर, मोहम्मद अहमद रजा और मोहम्मद फैजान को जमानत देने का आदेश जारी किया है। इस मामले में 14 लोगों के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। अभी छह लोगों को जमानत नहीं मिली है।

आशुतोष ब्रह्मचारी को हाईकोर्ट से झटका, शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ दाखिल अवमानना याचिका खारिज

प्रयागराज। ज्योतिष पाठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दाखिल अवमानना याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। आशुतोष महाराज ने शंकराचार्य के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की थी। ज्योतिष पाठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दाखिल अवमानना याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने शंकराचार्य के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की थी। आरोप लगाया था कि शंकराचार्य ने जमानत की शर्तों

उल्लंघन किया है। इसलिए उनके खिलाफ कोर्ट की अवमानना के आरोप में केस चलाया जाए। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दाखिल अवमानना याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। कोर्ट ने मामले की सुनवाई दूसरी पीठ को सौंपने के लिए मामला मुख्य न्यायाधीश को संदर्भित कर दिया था। कोर्ट ने यह आदेश स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी की ओर से दाखिल अवमानना याचिका पर दिया था। आशुतोष ब्रह्मचारी ने पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज एफआईआर में मिली अग्रिम जमानत की शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाया था। उन्होंने याचिका में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अलावा प्रयागराज की मंडलायुक्त, पुलिस आयुक्त समस्त कई अन्य अधिकारियों को भी पक्षकार बनाया है।

अब रात आठ बजे की जगह रात नौ बजे रवाना होगी प्रयागराज–दादरी स्पेशल, 17 मई से व्यवस्था लागू

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन से दादरी के लिए चल रही स्पेशल ट्रेन का अब गोविंदपुरी स्टेशन की जगह कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर ठहराव रहेगा। 17 मई की रात से यह व्यवस्था लागू हो जाएगी। प्रयागराज जंक्शन से दादरी के लिए चल रही स्पेशल ट्रेन का अब गोविंदपुरी स्टेशन की जगह कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर ठहराव रहेगा। 17 मई की रात से यह व्यवस्था लागू

हो जाएगी। खास बात यह है कि प्रयागराज से इसकी रवानगी अब रात 8.00 बजे की जगह रात 9.00 बजे होगी। वर्तमान समय 02417 प्रयागराज–दादरी एवं 02418 दादरी–प्रयागराज का गोविंदपुरी स्टेशन पर ही ठहराव है। एक जून से रेलवे प्रशासन इस ट्रेन का दोनों ओर से गोविंदपुरी में ठहराव करने जा रहा है। प्रयागराज से रात 9.00 बजे चलकर ट्रेन भरवारी, सिराथू, फतेहपुर, बिंदकी रोड रुकते हुए रात 12.12–12.17 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंच जाएगी। इसके बाद सुबह 7.15 बजे ट्रेन दादरी स्टेशन पहुंचेंगी। ऐसे में अब प्रयागराज से दादरी तक यात्रा के कुल समय में एक घंटे की बचत होगी। फिलहाल 17 से 31 मई तक दादरी स्पेशल का गोविंदपुरी स्टेशन पर पहुंचने का समय रात 11.00–11.05 की जगह 12.10–12.15 बजे रहेगा। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि 17 मई से ट्रेन में 17 की जगह कुल 18 कोच हो जाएंगे। ट्रेन में एसी थ्री का एक कोच बढ़ाया जा रहा है।

17 मई से शुरू होगी भीषण गर्मी, 46 तक पहुंचेगा पारा, आंधी तूफान के बाद भी राहत नहीं

प्रयागराज। तेज आंधी के बाद बृहस्पतिवार को मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह हवाओं की रफ्तार मंद पड़ते ही चिलचिलाती धूप ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। इससे दोपहर तक लोगों का घर से निकलना दुश्वार हो गया।

तेज आंधी के बाद बृहस्पतिवार को मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह हवाओं की रफ्तार मंद पड़ते ही चिलचिलाती धूप ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। इससे दोपहर तक लोगों का घर से निकलना दुश्वार हो गया।

मौसम विशेषज्ञ डॉ. शैलेष राय के अनुसार आने वाले दिनों में उमस भरी गर्मी लोगों के पसीने छुड़ाएगी। छह दिनों तक तापमान में बढ़ोतरी और उमस हावी रहेगी। आमतौर पर ऐसा मौसम जून में देखने को मिलता है।

इस बार पश्चिम के कुछ इलाकों में बारिश होने की वजह से उमस भरे मौसम का अनुमान लगाया जा रहा है। 17 से 20 मई तक अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहने की संभावना

है। वहीं 20 मई के बाद तापमान में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिल सकती है।

ऐसे करें बचाव

1– लगातार थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहें। नीबू पानी, छाछ, नारियल पानी और बेल का शरबत पीएं

2– खीरा, ककड़ी, तरबूज और खरबूजा खाएं

3– मसालेदार और भारी भोजन से बचें। यह पेट की गर्मी बढ़ाता है। दही और सलाद को शामिल करें।

4– हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें

5– उमस से त्वचा पर फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। रोजाना दो बार नहाएं।

6– नहाने के पानी में टी–ट्री ऑयल या नींबू की बूंदें डाल सकते हैं।

7– घमौरियों से बचने के लिए एंटी–फंगल पाउडर का इस्तेमाल करें।

8– कूलर को कमरे के अंदर न रखें, उसे खिड़की या दरवाजे पर लगाएं।

9– हल्के रंग के या ब्लैकआउट परदों का इस्तेमाल करें ताकि धूप और गर्मी अंदर न आए।

10–दोपहर 12 से 4 बजे के बीच बाहर न निकलें। अगर निकलना जरूरी हो, तो सिर ढकें और पानी साथ रखें।

किस दिव्य शक्ति से पता चला कि याची ही लूट का आरोपी है, थाना प्रभारी तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगस्टर के आरोपी की गिरफ्तारी पर रोक के बाद हुई मुठभेड़ पर बिसंडा थाने के प्रभारी को तलब किया है। पूछा है कि पुलिस ने किस दिव्य शक्ति से पता किया कि अज्ञात के खिलाफ दर्ज लूट की एफआईआर का आरोपी याची ही है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगस्टर के आरोपी की गिरफ्तारी पर रोक के बाद हुई मुठभेड़ पर बिसंडा थाने के प्रभारी को तलब किया है। पूछा है कि पुलिस ने किस दिव्य शक्ति से पता किया कि अज्ञात के खिलाफ दर्ज लूट की एफआईआर का आरोपी याची ही है।

यह सवाल न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने आदेश पांडेय की याचिका पर किया है। मामला बांदा के बिसंडा थाना क्षेत्र का है। याची ने गैंगस्टर में दर्ज एफआईआर को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का रुख किया था। कोर्ट ने मामले को विचारणीय मानते हुए सरकार से जवाबी हलफनामा तलब कर याची की गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी। इसी दौरान नौ मई की रात याची को पुलिस ने लूट के एक मामले में मुठभेड़ के

दौरान गिरफ्तार करने का दावा किया।

वहीं, याची का दावा है कि उसे पुलिस ने जबरन उठाया और गोली मार दी। शिकायत पर कोर्ट ने मुठभेड़ की जांच बांदा के जिला जज को सौंपते हुए रिपोर्ट तलब की। पेश जिला जज और डॉ.विनीत कुमार की मेडिकल जांच की रिपोर्ट में कोर्ट ने पाया कि याची के बाएं पैर की पिंडली पर गनशॉट एंट्री और एग्जिट के निशान पाए गए हैं। वहीं, सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि याची की गिरफ्तारी लूट के मामले की गई है।

इस पर कोर्ट ने पूछा कि एफआईआर में कोई नामजद नहीं था तो पुलिस किस दिव्य शक्ति से इस निष्कर्ष पर पहुंची कि आरोपी आदेश पांडेय ही है? क्या गिरफ्तारी से पहले उसकी शिनाख्त परेड कराई गई थी? कोर्ट ने सरकार को तीन दिन में हलफनामे पर पूछे गए सवाल का जवाब देने का आदेश दिया है। साथ ही याची को स्वतंत्रता दी है कि वह लूट के मामले में जमानत याचिका दाखिल कर सकता है। इससे उसके फर्जी मुठभेड़ के दावे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। अब मामले की अगली सुनवाई 19 मई को होगी।

डिजिटल अरेस्ट कर डेढ़ करोड़ की ठगी के आरोपी को मिली जमानत, एफआईआर में नहीं था नाम

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट कर डेढ़ करोड़ रुपये की ठगी के आरोपी की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली है। यह आदेश न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा ने विकास विश्वकर्मा की जमानत अर्जी पर दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट कर डेढ़ करोड़ रुपये की ठगी के आरोपी की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली है। यह आदेश न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा ने विकास विश्वकर्मा की जमानत अर्जी पर दिया है।

गोरखपुर की महिला ने एफआईआर दर्ज कराकर आरोप लगाया था कि अज्ञात व्यक्तियों ने वीडियो कॉल के जरिये उसे डिजिटल अरेस्ट किया था। इसके बाद उसके खाते से डेढ़ करोड़ रुपये को वैध बनाने के नाम पर ट्रांसफर करा लिए थे।

जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि ठगी गई राशि में से 80 लाख रुपये विकास विश्वकर्मा के फर्म के खाते में आए थे। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। याची ने जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी दायर की।

याची के अधिवक्ता प्रिंस कुमार श्रीवास्तव ने दलील दी कि एफआईआर अज्ञात के खिलाफ दर्ज थी। विकास का नाम इसमें शामिल नहीं था। याची के फर्म के खाते में आए 80 लाख रुपये तुरंत ही किसी अन्य खाते में स्थानांतरित कर दिए गए थे। निजी खाते में कोई पैसा नहीं आया। चार्जशीट पहले ही दाखिल हो चुकी है। आवेदक का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। कोर्ट ने विकास विश्वकर्मा को सशर्त जमानत दे दी।

मरीज व तीमारदारों को पीने में मिल रहा टंकी का पानी

प्रयागराज। कॉल्विन अस्पताल में में मरीज और तीमारदारों को आरओ की जगह टंकी का पानी पीने के लिए मिल रहा है। इसकी वजह से कई मरीजों ने अस्पताल में पानी पीना ही छोड़ दिया है। मरीजों का कहना है, कि पानी का स्वाद ठीक नहीं है। बृहस्पतिवार को अखबार की टीम ने अस्पताल की पड़ताल की। रजिस्ट्रेशन काउंटर के पास कैन में मरीजों के पानी और ओआरएस घोल रखा गया था। कुछ लोगों ने कैन का पानी पीते ही उगल दिया। पूछने पर बताया कि पानी का स्वाद अजीब सा है। यह पानी फिल्टर भी नहीं है। इतना ही नहीं अस्पताल के अधिकांश कर्मचारी खुद पानी की बोतल घर से लाते हैं या खरीदकर पीते हैं। वहीं, एक्सरे जांच के पास लगे वाटर कूलर में दोपहर एक बजे ही पानी खत्म हो गया था।

यहां का पानी फिल्टर तक नहीं है। पानी का स्वाद अजीब है। – शानू, चकिया

अस्पताल का पानी पीना छोड़ दिया है। यहां पर मरीजों को सीधा टंकी का पानी पिलाया जाता है। – मो. रहमान, जानसेनगंज

दो दिन पहले ओआरएस डालकर कैन का पानी पिया था। इसके बाद पेट में दर्द शुरू हो गया था। – मो. सैफ, शाहगंज

अगर आरओ पानी नहीं है, तो फिल्टर पानी देना चाहिए। मैं बाहर से पानी खरीदकर पीता हूं। – समीर, रोशनबाग

आरओ वाटर कैन में भरवाने के लिए कहा है। राउंड के समय पानी पीकर चेक करता हूं। – डॉ. एसके चौधरी, प्रमुख अधीक्षक, कॉल्विन अस्पताल

21 से कम आयु के युवक की लिव इन को कानूनी सुरक्षा नहीं दी जा सकती, हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि लिव इन में पुरुष की आयु विवाह के लिए निर्धारित वैधानिक उम्र 21 वर्ष से कम है तो अदालत उस रिश्ते को सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकती।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि लिव इन में पुरुष की आयु विवाह के लिए निर्धारित वैधानिक उम्र 21 वर्ष से कम है तो अदालत उस रिश्ते को सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकती। यह आदेश न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की एकल पीठ ने 20 वर्षीय युवती व 19 वर्षीय युवक की याचिका पर दिया है। बिजनौर निवासी याची लिव इन में रह रहे थे। उन्होंने कोर्ट से गुहार लगाई थी कि परिजनों को उनके शांतिपूर्ण जीवन में हस्तक्षेप करने से रोका जाए और सुरक्षा दी जाए। वे वयस्क हैं और अपनी पसंद के व्यक्ति संग रहने का अधिकार रखते हैं।

कोर्ट ने बाल विवाह निषेध अधिनियम–2006 का हवाला देते हुए कहा कि 21 वर्ष से कम आयु के पुरुष को कानूनन बच्चा माना गया है। कोई रिश्ता केवल इसलिए लिव इन का रूप ले रहा है, क्योंकि कानून उसे विवाह की अनुमति नहीं देता तो अदालत उसे सुरक्षा देकर एक अवैध विवाह जैसी व्यवस्था को अप्रत्यक्ष रूप से मान्यता नहीं दे सकती। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि माता–पिता या अभिभावकों को कानून के दायरे में रहकर कार्रवाई करने से नहीं रोका जा सकता। अनुच्छेद–21 के तहत जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार सर्वोपरि है। यदि याचियों के खिलाफ हिंसा, अवैध हिरासत या जबरदस्ती जैसी कोई घटना होती है तो वे पुलिस से शिकायत करने के लिए स्वतंत्र हैं। पुलिस को उस पर त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए।

पांच करोड़ की लागत से मेजा में विकसित हो रहा ईको पार्क, 70 फीसदी कार्य पूरा

प्रयागराज। मेजा स्थित कृष्ण मृग आरक्षित क्षेत्र में विकसित किए जा रहे ईको पार्क व पर्यटन सुविधाओं का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। करीब पांच करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना का करीब 70 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। मेजा स्थित कृष्ण मृग आरक्षित क्षेत्र में विकसित किए जा रहे ईको पार्क व पर्यटन सुविधाओं का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। करीब पांच करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना का करीब 70 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। पर्यटन विभाग की इस पहल से ईको टूरिज्म को नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से कराए जा रहे निर्माण कार्यों में पर्यटकों की सुविधा और प्राकृतिक वातावरण के संरक्षण को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। परियोजना के तहत भव्य प्रवेश द्वार, इंटरलॉकिंग पार्किंग, आकर्षक साइनेज, बैठने की व्यवस्था, आधुनिक टॉयलेट, कैंटीन ब्लॉक, वॉच टावर, चिल्ड्रन एक्टिविटी एरिया, गार्डन लाइट, सेल्फी प्वाइंट जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही है।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार कैंटीन, गार्ड रूम और कई प्रमुख निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं। अक्तूबर–2025 में शुरू हुई इस परियोजना को अप्रैल–2027 तक पूरा किया जाना है। स्थानीय लोगों का मानना है कि पार्क बनने के न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति व धर्मार्थ कार्य अमृत अभिजात ने कहा कि टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्राकृतिक व वन्य जीव क्षेत्रों को आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से विकसित कर रही है।

बेसिक शिक्षा निदेशक 18 मई को व्यक्तिगत रूप से तलब, लापरवाही पर कोर्ट ने जताई नाराजगी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा निदेशक को 18 मई को स्पष्टीकरण के साथ तलब किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने मऊ निवासी सुशील कुमार सिंह की याचिका पर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा निदेशक को 18 मई को स्पष्टीकरण के साथ तलब किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने मऊ निवासी सुशील कुमार सिंह की याचिका पर दिया है।

याची को मऊ के बेसिक शिक्षा अधिकारी की ओर से एक अनुभव प्रमाणपत्र जारी किया गया था। प्रमाणपत्र की सत्यता पर सवाल उठा तो कोर्ट ने प्रमाणपत्र के संबंध में निदेशक से जानकारी मांगी थी। निदेशक ने कहा था संबंधित प्रमाणपत्र कार्यालय के डिस्पैच रजिस्टर में दर्ज नहीं है। साथ ही बीएसए ने भी उन हस्ताक्षरों को अपना होने से इन्कार कर दिया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल डिस्पैच रजिस्टर में प्रविष्टि न होना किसी व्यक्ति के वैध दावे को खारिज करने का आधार नहीं बन सकता। हाईकोर्ट ने कहा कि निदेशक ने तथ्यों की गहन जांच किए बिना ही रिपोर्ट पेश कर दी। कोर्ट ने नाराजगी जताई कि रिपोर्ट में उस बीएसए का नाम तक स्पष्ट नहीं था, जिससे पूछताछ की गई थी। इस लापरवाही पर जवाब देने के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से तलब किया गया है।

कर्मचारी चयन आयोग: संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा–2025 का अंतिम परिणाम जारी

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी)ने बृहस्पतिवार को संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया। इसमें केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में कुल 15,118 अभ्यर्थियों का अनंतिम रूप से चयन किया गया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि अंतिम चयन मेरिट और अभ्यर्थियों के ओर से दी गई पदों की प्राथमिकता के आधार पर किया गया है। आयोग ने सभी विज्ञापित 15,118 रिक्तियों के लिए अभ्यर्थियों की सिफारिश की है। इसमें अनारक्षित वर्ग के 6,458, अन्य पिछड़ा वर्ग के 3,832, अनुसूचित जाति के 2,221, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 1,475 और अनुसूचित जनजाति के 1,132 पद शामिल हैं।

अप्रैल 2026 में हुई पहचान सत्यापन प्रक्रिया में अभ्यर्थी का भाग लेना अनिवार्य था। जो अभ्यर्थी इस प्रक्रिया में शारीरिक रूप से मौजूद नहीं हुए, उन्हें अनुपस्थित मानकर अंतिम परिणाम में शामिल नहीं किया गया है। सत्यापन के दौरान रिक्त हुए 452 पदों पर नए अभ्यर्थियों को अवसर दिया गया है। आयोग ने यह भी जानकारी दी है कि विभिन्न तकनीकी और प्रशासनिक कारणों से 106 उम्मीदवारों के परिणाम फिलहाल रोक दिए गए हैं।

सफल अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन और नियुक्ति की आगे की औपचारिकताएं अब संबंधित आवंटित विभागों के ओर से पूरी की जाएंगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि भर्ती के लिए कोई प्रतीक्षा सूची तैयार नहीं की गई है। यदि किसी चयनित अभ्यर्थी को अगले छह महीने तक विभाग से कोई पत्र प्राप्त नहीं होता है, तो उन्हें स्वयं विभाग से संपर्क करना होगा। परीक्षा की अंतिम उत्तर कुंजी और अभ्यर्थियों के अंक जल्द ही आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए जाएंगे।

राष्ट्र के प्रति चुनौतियों के प्रति प्रयागराज सदैव आगे रहा हैः महापौर

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज में विशेष बैठक पेट्रोल, डीजल, एवं सीएनजी के बचत करने के लिए नगर निगम के नई बिल्डिंग हाल में किया गया जिसमें महापौर श्री उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के अवाहन पर डीजल पेट्रोल सी,एन,जी0आदि की बचत के संबंध में हम सभी लोगों से अपील करते हैं कि अपने आस पास के नजदीकी कार्यों में गाड़ी का उपयोग कम करें कोशिश करें कि स्मार्ट सिटी द्वारा

चौराहों पर पार्किंग में लगे साइकिल का प्रयोग करें वैसे इस समय इलेक्ट्रिक वाहन का भी दौर है इस तरह से हम सभी ईंधन की बचत कर सकते हैं नगर आयुक्त श्री साई तेजा जी ने कहा कि डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन में तेजी लाएंगे जिससे 25 से 30 प्रतिशत सीएनजी के अलावा 10 प्रतिशत सीएनजी और तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है इस अवसर पर बैठक में नगर आयुक्त ने कहा कि 300 टन गीला कूड़ा से हम 25 से 30 प्रतिशत सीएनजी तैयार करने में सफल रहे हैं और कूड़ा कलेक्शन से हम 10 प्रतिशत तक और सीएनजी तैयार कर सकते है अपने अधिकारियों को निर्देश दिए और कहा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी इस अवसर पर बैठक में माननीय पार्षदगण के साथ अपर नगर आयुक्त एवम अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मंत्री दानिश आजाद ने छोड़ी कार, बुलेट से पहुंचे कार्यालय

लखनऊ (संवाददाता)। अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद आज बुलेट से अपने कार्यालय पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पेट्रोल–डीजल की बचत करने की अपील पर उन्होंने ऐसा किया। उनका पीएसओ और पीएस दूसरी बाइक से कार्यालय पहुंचे। उनके अंगरक्षक और पीएसओ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर उन्होंने ऐसा किया। इस मौके पर दानिश आजाद ने कहा कि हम सभी लोगों को देश हित में कम से कम पेट्रोल–डीजल खर्च करना चाहिए। मंत्री दानिश आजाद अपने सरकारी आवास 17 विक्रमादित्य मार्ग से हुसैनगंज स्थित बापू भवन कार्यालय तक पहुंचे। करीब 2 किलोमीटर की दूरी उन्होंने बुलेट से तय किया । एक बुलेट पर दानिश आजाद सवार थे। दूसरी बाइक से पीएसओ और पीएस उनके पीछे–पीछे चल रहे थे। दानिश आजाद ने इस दौरान लोगों को हेलमेट लगाने और सेफ राइडिंग का भी संदेश दिया। राज्य मंत्री दानिश आजाद ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देशवासियों से ईंधन बचाने की अपील की है। यह हम सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि उसका अधिक से अधिक पालन करें। प्रधानमंत्री ने सिर्फ कहा नहीं बल्कि करके भी दिखाया। उन्होंने अपनी फ्लीट में भी गाड़ियां काम करवा दी हैं। योगी सरकार भी बढ़ चलकर इसमें हिस्सा ले रही है। हम सभी लोग ईंधन बचाकर कम से कम संसाधन का इस्तेमाल कर रहे हैं। यही कारण है कि हमने दोपहिया वाहन चुना है। दानिश आजाद सामान्य दिनों में 3 कार के साथ कार्यालय पहुंचते थे। दानिश ने कहा कि हमने यह तय किया है कि जब हम लखनऊ में रहेंगे और कार्यालय आना होगा तो दोपहिया वाहन का इस्तेमाल करेंगे। जिलों के दौरे के दौरान चारपहिया वाहन का प्रयोग करेंगे, लेकिन संख्या सीमित रखेंगे। हमारा प्रयास है कि हम ज्यादा से ज्यादा ईंधन और संसाधनों की बचत करें, ताकि उसे राष्ट्रहित में इस्तेमाल किया जा सके।

कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने पर कैटरर्स व्यापारियों का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ कलेक्ट्रेट का उत्तर प्रदेश टेंट कैटरर्स एंड डेकोरेटर वेलफेयर एसोसिएशन ने घेराव करके जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान व्यापारियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी और 18ः जीएसटी टैक्स को लेकर नाराजगी जताई। जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन भेजा। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि गैस सिलेंडर की कीमतों में अचानक हुई वृद्धि से आम जनता के साथ–साथ व्यापारियों पर भी अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। पहले लगभग 350 रुपये और फिर लगभग 10 दिन बाद 973 रुपये की बढ़ोतरी की गई। साल 2026 की बात करें तो कमर्शियल गैस सिलेंडर में लगभग 1500 से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है, जिससे व्यापारियों की कमर टूट गई। इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ की 5 महीने के भीतर इतना पैसा बढ़ा हो। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष विजय कुमार ने कहा कि प्रशासन की ओर से व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है, जिससे सरकार के प्रति रोष बढ़ रहा है। आज पूरे प्रदेश में जिला मुख्यालयों पर व्यापारी जिलाधिकारियों के माध्य से ज्ञापन भेज रहे हैं। यह ज्ञापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंच रहा है, जिसके जरिए हम लोगों की सबसे हम मांग यही है कि गैस के दामों में कमी की जाए। विजय कुमार ने कहा कि दूसरी अहम मांग है कि टेंट कारोबारियों की गाड़ियों को नो एंट्री से राहत दी जाए। लगातार व्यापारी इस चीज से परेशान हैं कि शादी–विवाह और अन्य सामाजिक आयोजनों में टेंट की गाड़ियां आम जनता की सुविधा के लिए चलती हैं, लेकिन ट्रैफिक पुलिस द्वारा उन्हें रोककर परेशान किया जाता है। इस संबंध में कई बार उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन दिए गए, लेकिन कुछ समय बाद फिर कार्रवाई शुरू हो जाती है। व्यापारियों का उत्पीड़न किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार युवक को कुचला, मौत

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के आलमबाग इलाके में गुरुवार देर रात सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसा तालकटोरा रोड पर कॉटन मिल और बालाजी मंदिर के बीच हुआ। स्कूटी सवार युवक को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान आनन्द शुक्ला के रूप में हुई है। वह पारा थाना क्षेत्र के दौदा खेड़ा का रहने वाला था। पुलिस के मुताबिक रात करीब एक बजे हादसे की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

अधिक मास मेले को लेकर धाम परिसर में पुलिस व प्रबन्ध समिति की बैठक संपन्न

सड़क मरम्मत, सुरक्षा व पार्किंग पर हुई चर्चा, अनावश्यक व्यक्ति नहीं निभायेंगे भूमिका कब्जा मुक्ति हेतु 10 वां सामाजिक सत्याग्रह 17 मई को रहेगा जारी

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडवकालीन बाबा भयहरणनाथ धाम में 17 मई से शुरू हो रहे एक माह के अधिक मास मलमास मेले की तैयारियों को लेकर 15 मई को सुबह धाम परिसर में प्रबन्ध समिति, नगर पंचायत व पुलिस की संयुक्त बैठक हुई। थानाध्यक्ष जेठवारा पंकज राय ने प्रबन्ध समिति व क्षेत्रीय नागरिको के साथ स्थलीय निर्णय लिए।

बैठक में क्षेत्रीय भक्तों व कार्यकर्ताओं ने सुझाव दिए। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि 17 मई से पहले सभी मूलभूत व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली जाएंगी। थानाध्यक्ष जेठवारा राय ने कहा कि विधिक प्रबन्ध संस्था व जिम्मेदार पदाधिकारी ही निष्ठा से भूमिका निभायेंगे। अनावश्यक व अवांक्षित व्यक्ति किसी भी दशा में भूमिका नहीं निभायेंगे, चुस्त दुरुस्त व्यवस्था रहेगी ताकि श्रद्धालुओं को असुविधा न हो। परमपरागत आयोजन के रूप में 9 मई से 16 मई तक श्री मद भागवत कथा का भव्य आयोजन भागवत भूषण विजय कांत जी महाराज के सानिध्य में होगी

यह जानकारी देते हुए महासचिव समाज शेखर ने बताया कि बैठक में धाम के अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल, थाना अध्यक्ष जेठवारा एवं राजीव वर्मा चौकी इंचार्ज कटरा गुलाब सिंह व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि मेला पर्यवेक्षक शैलेश अग्रहरि एवं भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के पदाधिकारी एवं मेला व मँदिर व्यवस्था समिति के गणमान्य कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, वाहन पार्किंग, साफ–सफाई, पेयजल, शौचालय व आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था पर बिंदुवार चर्चा हुई।

अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल ने कटरा गुलाब सिंह से 2 किमी व दुर्गागंज से 600 मीटर धाम तक आने वाली टूटी सड़क का मुद्दा उठाया। लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु 16 मई तक सड़क मरम्मत की मांग की गई। निर्णय लिया गया कि मेले में बैरिकेडिंग, अधिकृत वाहन स्टैंड, 24 घंटे पुलिस पिकेट व मेडिकल कैंप रहेगा। भक्तों की सुविधा हेतु संस्थान की ओर से साइकिल 3 रु, मोटरसाइकिल 5 रु की दर पर वाहन स्टैंड संचालित होगा।

वहीं महासचिव समाज शेखर लखनऊ में होने के कारण फोन से जुड़े रहे। उन्होंने बताया कि गत 15 मार्च से धाम को कब्जा व कब्जा धारको से मुक्ति हेतु प्रबन्ध व पुरातत्व संस्थान द्वारा चलाया जा रहा, रचनात्मक सामाजिक सत्याग्रह 17 मई को दसवें सामाजिक सत्याग्रह के रूप में यथावत जारी रहेगा साथ ही मेला प्रबन्धन में अपेक्षित भूमिका निभाई जायेगी। प्रबन्ध संस्था की माँग है कि धाम को कब्जा मुक्त कर सीमांकन कराया जाए, बारादरी तोड़ने वालों पर कठोर कार्यवाही हो, ध्वज का अपमान करने वालों को चिन्हित किया जाए। जनता की मांग पर कोरोना काल में लगा स्टील का अर्घा 17 मई को हटाकर परम्परागत जलाभिषेक व्यवस्था बहाल की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने पर्याप्त पुलिस बल, महिला पुलिस एवं यातायात व्यवस्था का आश्वासन दिया।

प्रबन्ध समिति ने कहा कि धाम, संविधान व नागरिक धर्म से समझौता नहीं होगा।

बैठक में कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र, कोषाध्यक्ष कमलेश वैश्य, मेला समिति उप संयोजक बुद्ध प्रकाश द्विवेदी, मेला सचिव अनिल मिश्र, प्रेम चंद्र मल्हू, राकेश गुप्ता, चंदन तिवारी, रामू तिवारी, धोनू सिंह, कमलेश कांत, पप्पू लकड़ी, चंद्रभान सिंह, राजकुमार गौतम, जेपी यादव, सेवक प्रदीप पांडे आदि उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा पर्व को लेकर नगर निगम अलर्ट, नगर आयुक्त ने अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक

मथुरा। आगामी गंगा दशहरा पर्व एवं पुरुषोत्तम मास को लेकर नगर निगम प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। नगर आयुक्त जग प्रवेश द्वारा नगर निगम कार्यालय भूतेश्वर में सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित कर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं स्वच्छता व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने कहा कि पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी गंगा दशहरा पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को अपने–अपने घाटों पर उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करने एवं किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। बैठक में यमुना नदी के दोनों किनारों पर बैरिकेडिंग, गोताखोर, स्टीमर, लाइफ जैकेट एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही गहरे जल वाले स्थानों पर चेतावनी संकेतक एवं सूचना बैनर लगाने को कहा गया।

नगर आयुक्त ने महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के लिए पृथक एवं पूर्णतः ढके हुए चेंजिंग रूम स्थापित करने, घाटों के दोनों ओर खोया–पाया शिविर लगाने तथा शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु टैंकर एवं मोबाइल टॉयलेट्स की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। महाप्रबंधक जल मोहम्मद अनवर ख्वाजा को पेयजल एवं स्वच्छता व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई।

घाटों एवं संपर्क मार्गों पर जलभराव की समस्या न हो, इसके लिए विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए गए। वहीं नगर स्वास्थ्य अधिकारी को घाटों एवं संपर्क मार्गों की उच्च स्तरीय सफाई व्यवस्था बनाए रखने तथा निरंतर चूना छिड़काव कराने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा घाटों एवं मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। नगर आयुक्त ने मुख्य कर निर्धारण अधिकारी को घाटों एवं संपर्क मार्गों पर लगे अवैध होर्डिंग एवं बैनरों को तत्काल हटाने के निर्देश भी दिए। बैठक में पुरुषोत्तम मास के दौरान परिक्रमार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए परिक्रमा मार्ग पर रेत बिछाने एवं नियमित पानी के छिड़काव का कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

बैठक में अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक, सौरभ सिंह, अनिल कुमार, सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी, कल्पना सिंह चौहान, मुख्य अभियंता निर्माण संजय सिंह, महाप्रबंधक जल मोहम्मद अनवर ख्वाजा, नगर स्वास्थ्य अधिकारी रामगोपाल सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जयराम जय की गीत कृति 'ज़िंदगी गीत है' के विमोचन पर काव्य संध्या

कानपुर। शुक्रवार साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था मानसरोवर द्वारा आयोजित गीत संध्या में गीतों की स्वर लहरियों के मध्य नवगीतकार जयराम श्जयश्की काव्य कृति श्ज़िंदगी गीत हैश् का विमोचन एच–२/३७,कृष्णापुरम में दिनांक १५ मई को संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवगीत के प्रेमचंद वरिष्ठ नवगीतकार अवध बिहारी श्रीवास्तव ने तथा संचालन शैलेंद्र शर्मा ने किया। मुख्य अतिथि कविवर रामबाबू रस्तोगी,रायबरेली(उ.प्र.) तथा विशिष्ट अतिथि ऋषि सिन्हा,पटना(बिहार) रहे। प्रसिद्ध नवगीतकार एवं समालोचक वीरेंद्र आस्तिक ने जयराम जय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार व्यक्त करते हुए कहा,श्गीत नवगीत के क्षेत्र में जयराम सिंह जय का नाम चिर–परिचित है,लोक प्रिय है ।उनकी काव्य कृति श्ज़िंदगी गीत हैश्के गीत–नवगीत बहुत ही साफ सुथरी भाषा में अपने समय के ज्वलंत प्रश्नों से टकराते हैं, इनके गीतों की संवाद शैली विशेष पहचान है,जो इन्हें भरपूर पठनीय बनाती है।ष् कार्यक्रम के अध्यक्ष वरिष्ठ नवगीतकार अवध बिहारी श्रीवास्तव ने कहा,कि जयराम जय ष्जीवन को समग्रता में गहराई से देखने और उसे भाव एवं सहज भाषा में कहने वाले कवि है,भाषा की सहजता के कारण श्जयश् के गीत पाठक के भीतर वैसे के वैसे उतरते चले जाते हैं। जयराम की गीत कृति श्ज़िंदगी गीत हैश्पर शैलेंद्र शर्मा,बृजनाथ ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मानसरोवर संस्था के सदस्यों ने मुख्य अतिथि रामबाबू रस्तोगी व विशिष्ट अतिथि ऋषि सिन्हा को सम्मानित किया। दूसरे सत्र गीत–संध्या में सर्व श्री अवध बिहारी श्रीवास्तव,राम बाबू रस्तोगी,वीरेंद्र आस्तिक,शैलेंद्र शर्मा,बृजनाथ श्रीवास्तव,ऋषि सिन्हा,जयराम जय, मृदुल तिवारी,डॉ राधा शाक्य,वेद प्रकाश संजर,देवनाथ बाजपेई,यज्ञदत्त प्रशांत,डॉ अरुण तिवारी गोपाल, नज़र कानपुरीआदि के गीतों,ग़ज़लों व दोहों की सरस बौछार ने मानसरोवर की गीत संध्या को कविता के विभिन्न रसों से तर–बतर कर दिया। इस अवसर पर रविअंश श्रीवास्तव,महेश मिश्र, राजकुमार सिंह,प्रवीण कुमार ,विजय सिंह,शरद मिश्र एवं श्रीमती रंजना श्रीवास्तव,अजय कुमार आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक शैलेंद्र शर्मा ने आगतों का स्वागत किया तथा आयोजक दीपक श्रीवास्तव ने धन्यवाद दिया।

वृक्ष कनेर का

(कुण्डलिया)

अद्भुत वृक्ष कनेर का,विष से है लबरेज।
मानव हित में बन दवा, करे ज़हर निस्तेज।
करे ज़हर निस्तेज,बताते वैद्य चिकित्सक।
चूहों का है शत्रु,और कृषकों का रक्षक।
सुन लो कहें प्रदीप, बात है यह अति अच्युत।
फूलों का सौन्दर्य, हमेशा लगता अद्भुत।।

पंखुड़ियों के रंग काध्, अलग–अलग है अर्थ।
समझो पुष्प कनेर को, करो न बाते व्यर्थ।
करो न बाते व्यर्थ, वृक्ष पर जब यह आता।
पाँच दलो के साथ, सभी के मन को भाता।
सुन लो कहें प्रदीप, सभी की स्मृतियों में।
उभरे बस इक चित्र, सुवासित पंखुड़ियों के।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सरस्वती शिशु मंदिर, अजीत नगर में संभाषण प्रतियोगिता आयोजित

प्रतापगढ़। आज भारत विकास परिषद की विशाल शाखा के संयोजन में सरस्वती शिशु मंदिर, अजीत नगर परिसर में बच्चों के मध्य संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय "बच्चों में संस्कार विकास, अनुशासन एवं विद्यार्थी आचरण" रखा गया था।

कार्यक्रम का आयोजन शिशु एवं किशोर दो वर्ग में किया गया, जिसमें लगभग 14 छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों में मंच पर बोलने की कला, आत्मविश्वास तथा विषय के प्रति गंभीरता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए, जिसे उपस्थित जनों ने सराहा।

बच्चों के प्रदर्शन ने यह सिद्ध किया कि इस प्रकार की

प्रतियोगिताएं उनके व्यक्तित्व विकास एवं संस्कार निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कार्यक्रम के अंत में शिशु वर्ग में प्रथम आदित्य केसरवानी, द्वितीय सिमरन मौर्य एवं तृतीय जान्हवी सोनी, बाल वर्ग में प्रथम स्थान ऋषिका शर्मा, द्वितीय आराध्या शर्मा और तृतीय स्थान पर पार्थ कुमार सहित समस्त अन्य प्रतिभागी स्नेहा मौर्य, रिद्धि गुप्ता, अर्पित पंडित, प्रिंस सोनी, आरुषि पांडे, अनुश्री पाल को भारत विकास परिषद विशाल शाखा द्वारा पुरस्कार स्वरूप शिक्षण सामग्री प्रदान की गई।

निर्णायक मंडल में नमिता पांडे एवं शिशिर खरे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का वातावरण प्रेरणादायी एवं संस्कारमय रहा।

इस अवसर पर परिषद के पूर्व अध्यक्ष अश्वनी केसरवानी, वर्तमान अध्यक्ष डॉ. पीयूष कान्त शर्मा, सचिव संजीव आहूजा, कोषाध्यक्ष नारायण प्रसाद खंडेलवाल सहित विक्रांत खंडेलवाल, मयंक चतुर्वेदी, विजय जायसवाल, अरविंद सिंह, प्रांतीय अधिकारी गिरजा शंकर मिश्र, श्रद्धा सिंह, पूनम आहूजा, क्षमा खंडेलवाल, अभय खंडेलवाल एवं विद्यालय के प्राचार्य गजराम मौर्य उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: Dy. CPM/GSU/PRYJ/18/2026 दिनांकः 09.05.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति यूनिट/प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे के अधीन निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु ई-निविदायें आमंत्रित करते हैं (द्वारा खुली निविदा- डबल पैकेट प्रणाली) समाप्ति की तिथि/समय 02.06.2026 15:00 बजे तक बोली लगाने वाले अपने मूल/संशोधित बिड्स समाप्ति तिथि एवं समय तक मात्र जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और प्राप्त किसी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगाः-

निविदा सं.: GSU/18	अनुमानित मूल्य (रु): ₹ 188541994.78
कार्य का विवरणः कानपुर स्थित जीएमसी को सैटेलाइट स्टेशन के रूप में विकसित करने के मद्धेनजर, जीएमसी में 4 द्वीपीय प्लेटफॉर्म और स्टेशन भवन का प्रावधान किया जाना।	
बयाने की रकम (रु): ₹ 3770900.00	कार्य समापन की अवधिः 12 महीने
निविदा खुलने की तिथिः 02.06.2026 15:00 Hrs.	
इलिजिबिलिटी क्राइटएरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्यः सिविल इंजीनियरिंग से सम्बंधित कोई कार्य	

नोट :- (1) आन लाइन निविदा 02.06.2026 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (2) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे टेण्डर खुलने की तिथि 02.06.2026 तक उपलब्ध है। 1089/26 (A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेण्डर नं: पीआरवाईजे-सिग-010-2026-27 दिनांक- 14.05.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता/समन्वय/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 08.06.2026 को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा नं.: पीआरवाईजे-सिग-010-2026-27	
कार्य का विवरणः अलीगढ़, इटावा, शिकोहाबाद, टूण्डला, फफूंद, कानपुर सेंट्रल और गोविंदपुरी स्टेशनों के यात्री सुविधाओं (मैसर्स आईहीडीएस मेक) का तीन वर्षों के लिए समग्रह वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध।	
अनुमानित मूल्यः ₹ 99,92,542/-	बिड सिक्योरिटीः ₹ 1,99,900/-
निविदा प्रपत्र का मूल्यः 0/-	कार्य समापन की अवधिः 36 माह
निविदा बन्द होने की तिथिः 08.06.2026	

2. निविदा प्रपत्रों की उपलब्धताः निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे। 3. बयाने की राशि जमा करना एवं उसका रूपः निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्योरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाईन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्योरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्योरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो वह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिए। बैंक गारंटी जमा करते समय यह 3090 अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्योरिटी वाली निविदाएं खारिज कर दी जायेंगी। 4. निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थानः निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12.30 बजे या उसके या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। 5. निविदा की वैधताः निविदा खुलने के 60 दिन तक। 6. निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकारः रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 7. उसी प्रकृति के कार्य के लिए न्यूनतम वांछनीय आधारः एनी वर्क इनवाल्विंग सप्लाई/इन्सटालेशन और एसमसी/एआरसी आफ इन्टीग्रेटेड पैसेन्जर इनफारमेशन सिस्टम/ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड/कोच गाइडेंस/डिस्प्ले बोर्ड/एलईडी डिस्प्ले। 1109/26 FA

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

नीट रद्द: सपनों पर लगा विराम, व्यवस्था पर उठे सवाल!

देश की सबसे बड़ी मैडीकल प्रवेश परीक्षा नीट–यू.जी. 2026 को रद्द किए जाने के निर्णय ने करोड़ों भारतीय परिवारों को झकझोर दिया है। लाखों विद्यार्थियों ने वर्षों की मेहनत, अनुशासन और मानसिक संघर्ष के बाद इस परीक्षा में भाग लिया था। कई अभ्यर्थियों ने दिन–रात की पढ़ाई, सामाजिक जीवन से दूरी और आर्थिक कठिनाइयों के बीच डाक्टर बनने का सपना संजोया था। लेकिन परीक्षा रद्द होने की खबर ने अचानक उन सपनों के आगे अनिश्चितता का धुंधला पर्दा खड़ा कर दिया है। परीक्षा आयोजन संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एन.टी.ए.) ने कथित पेपर लीक और प्रश्नपत्र के कुछ हिस्सों के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद परीक्षा निरस्त करने का फैसला लिया। मामला अब जांच एजैंसियों तक पहुंच चुका है और विपक्ष केंद्र सरकार तथा परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठा रहा है। राजनीतिक बयानबाजी अपने स्थान पर है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न उन विद्यार्थियों और अभिभावकों का है जिनकी महीनों नहीं बल्कि वर्षों की तपस्या इस घटनाक्रम से प्रभावित हुई है। भारत में नीट केवल एक परीक्षा नहीं है। यह मध्यम वर्गीय परिवारों के सपनों, संघर्षों और सामाजिक उन्नति की आकांक्षा का प्रतीक बन चुकी है। छोटे कस्बों और गांवों से आने वाले विद्यार्थी सीमित संसाधनों में पढ़ाई कर इस परीक्षा तक पहुंचते हैं। अनेक परिवार अपनी बचत कोचिंग संस्थानों और अध्ययन सामग्री पर खर्च कर देते हैं। ऐसे में परीक्षा रद्द होना केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं बल्कि लाखों परिवारों के भावनात्मक संतुलन पर भी सीधा आघात है। अभिभावकों की चिंता रू आज सोशल मीडिया और समाचार चौनलों पर विद्यार्थियों की आंखों में आंसू, अभिभावकों की चिंता और भविष्य को लेकर असमंजस साफ दिखाई दे रहा है। कई छात्र मानसिक तनाव में हैं। कुछ ने पहली बार परीक्षा दी थी, तो कुछ अंतिम प्रयास कर रहे थे। परीक्षा दोबारा होने का अर्थ है फिर वही मानसिक दबाव, फिर वही तैयारी और फिर अनिश्चितता का एक लंबा दौर। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की सबसे बड़ी पूंजी उसकी निष्पक्षता होती है। यदि लाखों विद्यार्थियों के बीच कुछ लोगों को अनुचित लाभ मिला हो, तो परीक्षा परिणाम पर भरोसा समाप्त हो जाता है। इसलिए सरकार के सामने दो कठिन विकल्प थे। या तो विवादित परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए जाएं, जिससे ईमानदारी से मेहनत करने वाले विद्यार्थियों के साथ अन्याय होता, अथवा परीक्षा रद्द कर पुनरू आयोजित की जाए, जिससे सभी अभ्यर्थियों को समान अवसर मिल सके। स्पष्ट है कि दोनों स्थितियों में सबसे अधिक नुकसान विद्यार्थियों का ही होना था। यही कारण है कि इस पूरे प्रकरण को केवल राजनीतिक दृष्टि से देखने की बजाय शिक्षा व्यवस्था के व्यापक संकट के रूप में समझना होगा। पिछले कुछ वर्षों में देश की अनेक प्रतियोगी परीक्षाएं पेपर लीक, तकनीकी गड़बडियों और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं के आरोपों से घिरी रही हैं। कभी भर्ती परीक्षाएं निरस्त होती हैं, कभी परिणाम विवादों में घिर जाते हैं और कभी परीक्षा केंद्रों की अनियमितताएं सामने आती हैं। इससे युवाओं का भरोसा कमजोर होता जा रहा है। लाखों छात्र यह महसूस करने लगे हैं कि उनकी मेहनत से अधिक ताकत सिस्टम की कमजोरियों और भ्रष्ट नैटवर्क के हाथ में है। यदि देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक की गोपनीयता सुरक्षित नहीं रह पाती, तो व्यवस्था की विश्वसनीयता पर स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठेंगे। विपक्ष सरकार की आलोचना कर रहा है और इसे प्रशासनिक असफलता बता रहा है। लोकतंत्र में विपक्ष का यह अधिकार भी है और दायित्व भी। लेकिन इस संवेदनशील विषय पर केवल राजनीतिक लाभ–हानि की दृष्टि उचित नहीं होगी। विद्यार्थियों का भविष्य किसी दल की चुनावी रणनीति का माध्यम नहीं बनना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, विपक्ष, शिक्षा विशेषज्ञ और परीक्षा एजैंसियां मिलकर स्थायी समाधान खोजें। सबसे पहले परीक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित बनाने की आवश्यकता है। प्रश्नपत्र निर्माण, परिवहन और वितरण की पूरी प्रक्रिया को आधुनिक डिजिटल निगरानी से जोडना होगा। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था और जवाबदेही बढ़ानी होगी। जिन अधिकारियों या कर्मचारियों की लापरवाही सामने आए, उनके विरुद्ध त्वरित और कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त कोचिंग संस्कृति पर भी गंभीर विमर्श आवश्यक है। मैडीकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं के इर्द–गिर्द एक विशाल आर्थिक तंत्र खड़ा हो चुका है। प्रतियोगिता इतनी तीव्र हो गई है कि विद्यार्थी किशोरावस्था से ही दबाव में जीने लगते हैं। जब ऐसी परीक्षा विवादों में घिरती है, तो उसका असर केवल परिणाम तक सीमित नहीं रहता बल्कि युवाओं के आत्मविश्वास और सामाजिक विश्वास पर भी पड़ता है। नीट परीक्षा रद्द होना केवल एक प्रशासनिक घटना नहीं बल्कि देश की शिक्षा और भर्ती व्यवस्थाओं के सामने खड़ा गंभीर चेतावनी संकेत है। यदि समय रहते कठोर और पारदर्शी सुधार नहीं किए गए, तो युवाओं का भरोसा लगातार कमजोर होता जाएगा। आज जरूरत दोषारोपण से अधिक संवेदनशीलता और सुधार की है।

पिंजरे का तोता और रबर स्टैंप, सीबीआई को लेकर कई सवाल

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की प्रधानमंत्री मोदी को लिखी एक चिठ्ठी से नयी सियासी हलचल खड़ी हो गई है। इस चिठ्ठी में राहुल गांधी ने साफ कह दिया है कि नेता प्रतिपक्ष रबर की मुहर नहीं हो सकता। मतलब सरकार के हर फैसले को चुपचाप मान लें और उस पर कोई सवाल न उठाएं, यह संभव नहीं है। याद दिला दूं कि जब राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष चुना गया था, तब उन्होंने कहा था कि वे संसद में जनता की आवाज उठाएंगे और इस समय राहुल गांधी ठीक वही कर भी रहे हैं। दरअसल मंगलवार को प्रधानमंत्री और प्रधान न्यायाधीश की मौजूदगी में सीबीआई के नए निदेशक के चयन के लिए एक बैठक हुई। जिसमें राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि श्सरकार ने चयन प्रक्रिया को महज एक औपचारिकता बना दिया है। उन्होंने सीबीआई निदेशक के लिए 69 उम्मीदवारों के रिकॉर्ड समय पर न मिलने और पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाए हैं और फिर एक पत्र लिखकर विस्तार से अपना विरोध दर्ज किया। पत्र में राहुल गांधी ने लिखा, श सीबीआई के अगले निदेशक की सिफारिश करने के लिए गठित समिति के अध्यक्ष के तौर पर लिख रहा हूं, ताकि मैं इसकी कार्यवाही को लेकर अपना विरोध दर्ज करा सकूं। आपकी सरकार ने भारत की प्रमुख जांच एजेंसी सीबीआई का राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों और आलोचकों को निशाना बनाने के लिए बार–बार दुरुपयोग किया है। संस्था पर ऐसे कब्जे रोकने के लिए ही चयन समिति में विपक्ष के नेता को शामिल किया जाता है। अफसोस की बात है कि आपने इस प्रक्रिया में मुझे कोई भी सार्थक भूमिका देने से लगातार इनकार किया है। बार–बार अनुरोध करने के बावजूद मुझे योग्य उम्मीदवारों की सेल्फ–अप्रेजल (स्व–मूल्यांकन) और 360–डिग्री रिपोर्ट देखने की अनुमति नहीं दी गई। मुझसे यह उम्मीद की जा रही थी कि मैं समिति की असल बैठक के दौरान ही पहली बार 69 उम्मीदवारों के मूल्यांकन रिकॉर्ड की समीक्षा कर लूं। प्रत्येक उम्मीदवार के इतिहास और प्रदर्शन का आकलन करने के लिए इन रिकॉर्ड की विस्तृत समीक्षा करना बेहद जरूरी है। राहुल गांधी ने अपने पत्र में दावा किया कि जानकारी से जान–बूझकर वंचित रखने का यह काम यह सुनिश्चित करता है कि केवल सरकार का पहले से तय उम्मीदवार ही चुना जाए, जिससे पूरी कानूनी प्रक्रिया का मजाक उड़ता है। राहुल गांधी ने याद दिलाया कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। उन्होंने पांच मई 2025 को अपनी असहमति दर्ज कराई थी, और उसके बाद 21 अक्टूबर, 2025 को एक निष्पक्ष प्रक्रिया के लिए सुझाव दिए थे, जिस पर उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। राहुल गांधी ने आगे कहा कि चयन समिति को जरूरी जानकारी न देकर, सरकार ने इसे महज एक औपचारिकता बना दिया है। विपक्ष का नेता कोई रबर स्टैंप नहीं होता। इसलिए मैं इस पक्षपातपूर्ण प्रक्रिया में हिस्सा लेकर अपने संवैधानिक कर्तव्य से पीछे नहीं हट सकता। मैं कड़े शब्दों में अपनी असहमति जता रहे हैं। राहुल गांधी की चिठ्ठी पर भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लेकिन जब भी जांच एजेंसियों का राजनैतिक इस्तेमाल करने का आरोप विपक्ष लगाता है, भाजपा 2013 में सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति आर एम लोढ़ा की टिप्पणी याद दिलाती है कि तब कोयला घोटाले की जांच में उन्होंने सीबीआई को पिंजरे का तोता कहा था। हालांकि भाजपा को याद रखना चाहिए कि सितंबर 2024 में दिल्ली शराब नीति घोटाले के आरोप में सीबीआई द्वारा दायर मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को को जमानत देते हुए न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान ने अपने फैसले में लिखा कुछ समय पहले ही इस न्यायालय ने सीबीआई की कड़ी आलोचना करते हुए उसकी तुलना पिंजरे में बंद तोते से की थी। यह आवश्यक है कि सीबीआई इस धारणा को दूर करे कि वह पिंजरे में बंद तोता है। बल्कि, यह धारणा बननी चाहिए कि वह एक खुले तोते की तरह है। तो सीबीआई की निष्पक्षता और दबाव मुक्त होकर काम करने का सवाल पहली बार राहुल गांधी ने ही उठाया है, ऐसा नहीं है। बल्कि सीबीआई निदेशक की नियुक्ति हमेशा से संवेदनशील और महत्वपूर्ण मानी जाती रही है। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष की ओर से चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाना आने वाले दिनों में राजनीतिक और संवैधानिक बहस को और तेज कर सकता है और ऐसी बहस शायद अब देश के लिए जरूरी भी हो गई है। क्योंकि उसके बाद शायद ईडी या सीबीआई जैसी संस्थाओं की पुरानी साख वापस लौट सके। ध्यान रहे कि मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 26 जुलाई 2022 को एक पत्र लिखा था, जिसमें आरोप लगाया था कि मोदी सरकार जांच एजेंसियों का निरंतर और तीव्र दुरुपयोगश कर रही है। इस पत्र में लिखा गया था कि कानून को बिना किसी डर या उत्साह के लागू किया जाना चाहिए। लेकिन इसका इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। मौजूदा समय में मनमाने ढंग से, चुनिंदा और बिना किसी औचित्य के कई विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं के खिलाफ इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। इस अभियान का एकमात्र उद्देश्य प्रतिष्ठा को नष्ट करना और भाजपा से वैचारिक व राजनीतिक रूप से लड़ने वाली ताकतों को कमजोर करना है। यह हमारे देश के लोगों का ध्यान आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, बढ़ती बेरोजगारी और आजीविका के नुकसान और जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति की बढ़ती असुरक्षा की उनकी सबसे जरूरी दैनिक चिंताओं से ध्यान हटाने के लिए भी किया जा रहा है। इस साझा पत्र पर दस्तखत करने वालों में आरजेडी, शिवसेना, डीएमके, एमडीएमके, टीआरएस, नेशनल कॉन्फ्रेंस, सीपीआई, सीपीएम, आरएसपी समेत कई विपक्षी दलों के नेता शामिल थे। दरअसल देश को विपक्ष मुक्त करने की नीयत से भाजपा ने कई दलों में फूट डलवाई, कई राज्यों में सत्ता हथियाई थी। उसके बाद भी जिन लोगों ने दबाव में आने से इंकार किया, तो उन्हें केंद्रीय एजेंसियों के रडार लिया गया। ऐसे नेताओं की सूची काफी लंबी है।

फारुख अब्दुल्ला, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, शरद पवार, संजय राउत, अनिल परब, ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी सब पर अलग–अलग मामलों में ईडी या सीबीआई की जांच चली। आम आदमी पार्टी में तो पहली पंक्ति के लगभग सभी नेताओं को जेल भेजा गया या मुकदमा दर्ज किया गया। हेमंत सोरेन पर पूछताछ चली। अभिषेक बनर्जी ने तब कहा भी था कि, ईडी और सीबीआई बीजेपी की सबसे बड़ी सहयोगी बन गई हैं। राजनीतिक रूप से हमारा मुकाबला करने में नाकाम रहने के कारण पार्टी राजनीतिक हथियार के तौर पर इन एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। इस बयान में कुछ गलत भी नहीं लगता क्योंकि केवल विपक्षी दल ही नहीं सुप्रीम कोर्ट भी इस बारे में टिप्पणी कर चुका है। नवंबर 2025 में झारखंड विधानसभा में नियुक्तियों और पदोन्नतियों में अनियमितताओं के मामले में सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ में सुनवाई के दौरान जस्टिस गवई ने कहा था कि, श्आप अपनी राजनीतिक लड़ाइयों के लिए एजेंसी का इस्तेमाल क्यों करते हैं? कई मामलों में हमने कहा है कि जांच एजेंसियों के दुरुपयोग पर रोक लगनी चाहिए।श इससे पहले अप्रैल 2022 में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रमना ने सीबीआई के संस्थापक निदेशक की स्मृति में आयोजित व्याख्यान में कहा था कि, समय के साथ राजनीतिक कार्यकारिणी बदलेगी। लेकिन आप यानी सीबीआई एक संस्था के रूप में स्थायी हैं। अभेद्य बनें और स्वतंत्र रहें। अपनी सेवा के लिए एकजुटता की शपथ लें। आपकी बिरादरी ही आपकी ताकत है। उन्होंने कहा था कि शुरुआती दौर में सीबीआई के पास जनता का अपार विश्वास था, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी विश्वसनीयता सवालों के घेरे में आ गई है। तो इस तरह समझा जा सकता है कि राहुल गांधी ने जो सवाल उठाया है वो कई बरसों से अनुत्तरित ही चला आ रहा है। सीबीआई की विश्वसनीयता पर अगर देश के प्रधान न्यायाधीशों से लेकर विपक्षी दलों के नेता सब सवाल उठा रहे हैं, तब तो केंद्र सरकार को ज्यादा सावधानी के साथ इसके निदेशक की चयन प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए। लेकिन यहां भी मोदी सरकार का रवैया विपक्ष के लिए तिरस्कार भरा दिख रहा है। अगर विपक्ष की बातों का मान रखना होता तो राहुल गांधी के पास उन 69 उम्मीदवारों की विस्तृत जानकारी पहुंचनी चाहिए थी, जिनमें से किसी एक को सीबीआई का निदेशक बनाया जाएगा। लेकिन जब सरकार की ही मर्जी से सब तय होगा तो फिर वाकई मान लेना चाहिए कि मोदी विपक्ष को रबर स्टैंप की तरह की इस्तेमाल करना चाहते हैं। अच्छी बात ये है कि राहुल गांधी ने अपनी कड़ी असहमति जता दी है। लेकिन क्या इसके बाद मोदी सरकार का रवैया बदलेगा, यह संशय बना हुआ है। क्योंकि इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के वक्त भी राहुल गांधी ने ऐसे ही चिठ्ठी लिखकर अपना विरोध दर्ज कराया था। लोकतंत्र और संविधान का वास्ता सरकार को दिया था।

लेकिन मोदी–शाह ने अपनी मर्जी से ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया, इसमें राहुल गांधी की असहमति पर ध्यान नहीं दिया।

दायित्व से पीछे हटती सरकार

एसआईआर के तहत मतदाता सूची से काटे गए लाखों नामों के बाद एक गंभीर आशंका बार–बार उठी कि क्या इन लोगों को नागरिक कहलाने का भी हक नहीं रहेगा। अब बिहार और बंगाल की भाजपा सरकारों ने इन आशंकाओं को सही साबित कर दिया है। बंगाल और बिहार की सरकारों ने कहा है कि जिनके नाम एसआईआर में कट चुके हैं, वे अपने राज्यों में सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाएंगे। ज्ञात हो कि पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार ने सोमवार को अपनी पहली कैबिनेट बैठक की, जिसमें उसने घोषणा की कि राज्य में पिछली सरकारों की सभी सामाजिक योजनाएं जारी रहेंगी, साथ ही टीएमसी के शासन में जिन केंद्रीय कार्यक्रमों को रोका गया था, वे अब उपलब्ध होंगे। हालांकि बैठक में तय हुआ कि न्यायाधिकरणों के समक्ष जिन मतदाताओं के मामले विचाराधीन हैं, उन्हें फैसला होने तक वही सुविधाएं मिलती रहेंगी।

बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा, श्सरकार के सभी सामाजिक कार्यक्रम, चाहे वे 30 साल पहले शुरू हुए हों या 10 साल पहले, जारी रहेंगे। हालांकि, अब ये सभी योजनाएं पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से संचालित होंगी। किसी भी मृत व्यक्ति, अवैध घुसपैठिए या गैर–भारतीय व्यक्ति को राज्य के नागरिकों के लिए निर्धारित लाभों का लाभ उठाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वहीं बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि श्जिन लोगों के नाम बिहार की मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, वे राशन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं सहित किसी भी सरकारी लाभ के हकदार नहीं होंगे।श इसके बाद कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया के जरिए सवाल पूछा है कि एसआईआर के नतीजों के आधार पर बिहार और पश्चिम बंगाल सरकारों के अनुचित निर्णयों के बाद, निम्नलिखित प्रश्न उठता है, क्या मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का आधार नागरिकता है? या मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना ही नागरिकता का आधार है? सर्वोच्च न्यायालय को इस प्रश्न पर विचार करना चाहिए। वैसे तो माननीय अदालत से उम्मीद है कि वह श्री चिदंबरम के उठाए सवालों पर तत्काल विचार करे। क्योंकि आजादी के बाद संविधान तैयार करने और वयस्क मताधिकार लागू करने के पीछे मंशा यही थी कि देश के हर नागरिक को उसका हक मिले। सरकार ने व्यवस्था की कि मतदाता सूची तैयार करने के लिए लोगों तक पहुंचा जाए, कोई भी व्यक्ति इस हक से वंचित न रहे। लेकिन एसआईआर के नाम पर बड़े पैमाने पर न केवल लोगों को मताधिकार से वंचित किया गया है, बल्कि अब सरकार की लाभकारी योजनाओं का हक भी उनसे छीना जा रहा है। जिस तरह के दस्तावेज मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए मांगे गए हैं, उन पर पहले ही सवाल उठ रहे थे कि गरीब लोग इन्हें कैसे जुटा पाएंगे, उनके पास ले देकर आधार या राशन कार्ड ही मिलता है। अब जो कुछ आम नागरिकों के पास था, वो भी उनसे छीना जा रहा है। इस तरह तो लोककल्याणकारी सरकार की अवधारणा ही बदल जाएगी। मध्यमवर्ग या उच्च तबके की बेशक अपनी परेशानियां हैं, लेकिन कम से कम दो वक्त की रोटी, कुछ दिनों का रोजगार, सरकारी अस्पतालों में सस्ता इलाज, मुफ्त शिक्षा जैसी मदद की जरूरत उन्हें नहीं है। मगर पिछले छह सालों से जिन लोगों का गुजारा सरकार के दिए पांच किलो राशन से हो रहा हो या मनरेगा के तहत जिन्हें कुछ सौ रूपयों की कमाई होती है वे लोग अब कहां जाएंगे। चुनावों में महिलाओं, बेरोजगारों, किसानों, मजदूरों के लिए जिन योजनाओं का वादा किया जाता है, उनसे भी अब ऐसे लोगों को वंचित रखा जाएगा जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है।

सीमा वर्णिका की कलम से

'मंतव्य'

शर्मा जी माथुर साहब के पास बैठे थे। बहुत कमजोर हो गए थे। बहुत दिन बाद हिम्मत करके छड़ी के सहारे घर से निकले थे।

कैसे हैं माथुर साहब! आप तो निकलते ही नहीं, शर्मा जी सोफे पर बैठते हुए बोले।

अरे! शर्मा.. कैसे होंगे.. बुढ़ापा है.. बिना वॉकर के तो घर में भी नहीं चल पाते.. अब बाहर निकलने की.. हिम्मत भी नहीं होती. .और किसके पास समय है जो हमें लेकर सब से मिलवाने ले जाए, माथुर साहब बोले ।

यह तो सही कह रहे हैं आप.. अब हिम्मत तो नहीं होती.. कमजोरी भी बहुत लगने लगी है.. भूख भी तो नहीं लगती, शर्मा जी बोले।

अरे ! जब दिन भर.. न चलना.. न फिरना.. तो भूख कहाँ से लगेगी.. लेकिन मेरी तो किस्मत खराब है, माथुर साहब बोले।

भई.. किस्मत को क्या हो गया ..अच्छे भले तो दिख रहे आप. . सब ख्याल रखते हैं और क्या चाहिए.. यहाँ तो इस उम्र में कोई साथ रहना ही नहीं चाहता.. नौकर चाकर पर जिंदगी कट रही है, शर्मा जी झींकते हुए बोले।

हमें तो मेरी बहू ने बड़ा परेशान कर रखा है ..भूख हो न हो ..वह खाने के पीछे पड़ी रहती.. न खाओ तो गुस्सा करती, माथुर साहब धीरे से फुसफुसाते हुए बोले।

भाग्यशाली हो आप.. वरना कौन पूछता है हम बुड्ढों को, शर्मा जी हँसकर बोले।

अच्छा.. माथुर साहब.. अब चलते हैं, चाय का प्याला मेज पर रखते हुए शर्मा जी खड़े हो गए।

दो दिन बाद शर्मा जी के घर के आगे भीड़ देखकर माथुर साहब ने किसी से पूछा, क्या हो गया भाई

पता चला रात में शर्मा जी बेहोश हो गए थे। अस्पताल में भर्ती किया डॉक्टर साहब कह रहे थे सोडियम पोटेशियम बहुत कम हो गया था वह लोग उन्हें बचा नहीं पाए।

माथुर साहब भारी कदमों के साथ अपने कमरे में आ गए।

बाबूजी नाश्ता कर लीजिए, बहू का स्वर उनके कानों में पड़ा।

आज बहू की आवाज उन्हें भली लग रही थी।

–सीमा वर्णिका,
कानपुर

टैगोर भारत की आत्मा थे, जिन्होंने गांधी को महात्मा बनाया

पूरन चंद सरीन

रबीन्द्र नाथ टैगोर का जन्म 7 मई, 1861 और निधन 7 अगस्त, 1941 को हुआ। बापू गांधी 2 अक्तूबर, 1869 को जन्मे और 30 जनवरी, 1948 को मृत्यु को प्राप्त हुए। दोनों एक ही युग के प्रतिनिधि थे लेकिन भिन्न क्षेत्रों में, एक को गीतांजलि के कवि, राष्ट्रगान के रचयिता, नोबेल पुरस्कार विजेता और विश्व–कवि के रूप में याद किया जाता है और दूसरे को भारत का भाग्य विधाता, जिसने आजादी की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाई। टैगोर ने शुरुआती वर्षों में ब्रिटिश शासन को पूरी तरह शत्रु की तरह नहीं देखा था। वह मानते थे कि पश्चिम से शिक्षा,आधुनिकता और वैज्ञानिक चेतना भारत के लिए उपयोगी हो सकती है। इसी तरह गांधी भी शुरू में अंग्रेजी शासन के विरोधी नहीं थे। दोनों एक–दूसरे का सम्मान करते थे लेकिन उनके वैचारिक मतभेद भी थे। टैगोर ने गांधी को 'महात्मा' कहा लेकिन वह गांधीवाद के हर पहलू से सहमत नहीं थे। वह चरखा आंदोलन को भारत की जटिल आध्थक समस्या का पर्याप्त समाधान नहीं मानते थे। गांधी इसे राष्ट्र चेतना मानते थे, जो ग्रामीण क्षेत्रों से निकली और उनकी आध्थक स्थिति की रीढ़ और भूख मिटाने और तन ढांपने तथा और गरीबी से बाहर निकलने का साधन बन गई। जहां गांधी स्वदेशी और जन आंदोलन की बात करते थे, टैगोर व्यक्ति की स्वतंत्र चेतना और वैश्विक मानवतावाद पर जोर देते थे। टैगोर ने गांधी को एक ओर महात्मा कहा तो उनके विरोधी बन चुके सुभाषचंद्र बोस को 'देशनायक' कहा। वह हिंसक संघर्ष के समर्थक नहीं थे लेकिन बोस के व्यक्तित्व और राष्ट्रनिष्ठा का सम्मान करते थे। टैगोर विचारधारा से अधिक चरित्र और उद्देश्य के समर्थक थे और जब उन पर यह आरोप लगा कि वह जमींदार परिवार से थे और ग्रामीण भारत की वास्तविक निर्धनता से दूरी रखते थे, तो उन्होंने शांति निकेतन और ग्रामीण पुनध्नर्माण कार्यक्रम शुरू किए और उनके आलोचकों को मानना पड़ा कि उनका दृष्टिकोण सुधारवादी था। भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन' और बंगलादेश का राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला' दोनों टैगोर की रचनाएं हैं। टैगोर संकीर्ण राष्ट्रवाद के आलोचक थे और राष्ट्र को मानवता से ऊपर रखने के पक्षधर थे। इसीलिए उनकी रचनाएं राष्ट्र की पहचान बनीं। टैगोर देवत्व नहीं, संवाद हैं रू रबीन्द्र नाथ टैगोर को केवल पूजनीय प्रतीक बना देना उनके साथ अन्याय है। वह विरोधाभासों से भरे, संवेदनशील, कभी–कभी भ्रमित, पर निरंतर विकसित होते ड्क्षचतक थे। उनकी सबसे बड़ी शक्ति यही थी कि वह किसी एक विचारधारा, राष्ट्रवाद, धर्म या सत्ता के कैदी नहीं बने। उन्होंने लिखा था

टैगोर और फिल्म टैगोर स्वयं फिल्मकार नहीं थे, पर उनकी रचनाएं सिनेमा के लिए खजाना बनीं। टैगोर के उपन्यास, कहानियां, नाटक और गीत इतने दृश्यात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक थे कि अनेक फिल्मकारों ने उन्हें पर्दे पर उतारा। सबसे प्रसिद्ध रूपांतरण काबुलीवाला थी। यह कहानी सीमाओं से परे मानव संबंध की ऐसी मिसाल है, जो आज के विस्थापन और प्रवासन के दौर में भी प्रासंगिक है।

चारुलता (निर्देशक सत्यजीत रे) टैगोर की कथा नष्टनीड़ पर आधारित है और यह फिल्म भारतीय सिनेमा की महानतम फिल्मों में गिनी जाती है। स्त्री मन की जटिलता, भावनात्मक अकेलापन, बौद्धिक आकर्षण और विवाह संस्था की सूक्ष्म पड़ताल करती यह फिल्म अद्वितीय है। यदि भारतीय सिनेमा में टैगोर की आत्मा को सबसे गहराई से किसी ने समझा, तो वह सत्यजीत रे थे। उनके सिनेमा में आंतरिक संघर्ष, सामाजिक परिवर्तन, मानवीय जटिलता, सौंदर्य और विचार का संतुलन ऐसा है कि इसमें स्पष्ट रूप से टैगोरियन परंपरा दिखाई देती है। टैगोर का जीवन अनेक स्त्रियों की उपस्थिति, प्रेरणा और विछोह की गहराई से प्रभावित था।

उनकी भाभी कादंबरी देवी को टैगोर के भावनात्मक और रचनात्मक जीवन की अत्यंत महत्वपूर्ण पात्र माना जाता है।

रचना सक्सेना के गीत

बुद्धि विवेक चैन जीवन में, यही कीमती तीन।
फिर क्यूँ रहना जग में हमको, माया के आधीन।।

राह सदा सद बुद्धि दिखाती, मिले अगर भटकाव।
निर्णय लेने के उस पल में, देती सदा सुझाव।।
जीवन सरल सुगम बन जाता, मन कब रहे मलीन।
बुद्धि विवेक चैन जीवन में, यही कीमती तीन।।

असली सुख तो अंतस का है, जिसको ढूंढे संत।
माया से सुख मिलता उसका, संग आदि के अंत।।
डस लेती है अहि के जैसे, छिप बैठा आस्तीन।
बुद्धि विवेक चैन जीवन में, यही कीमती तीन।।

सूखी रोटी भी सुख देती, चिंता हो क्यूँ पास।
कट जाएगा चैन से जीवन, चलती रहती श्वास।।
माया की हो भूख अगर तो, जीवन फिर रसहीन।
बुद्धि विवेक चैन जीवन में, यही कीमती तीन।।

रचना सक्सेना
प्रयागराज

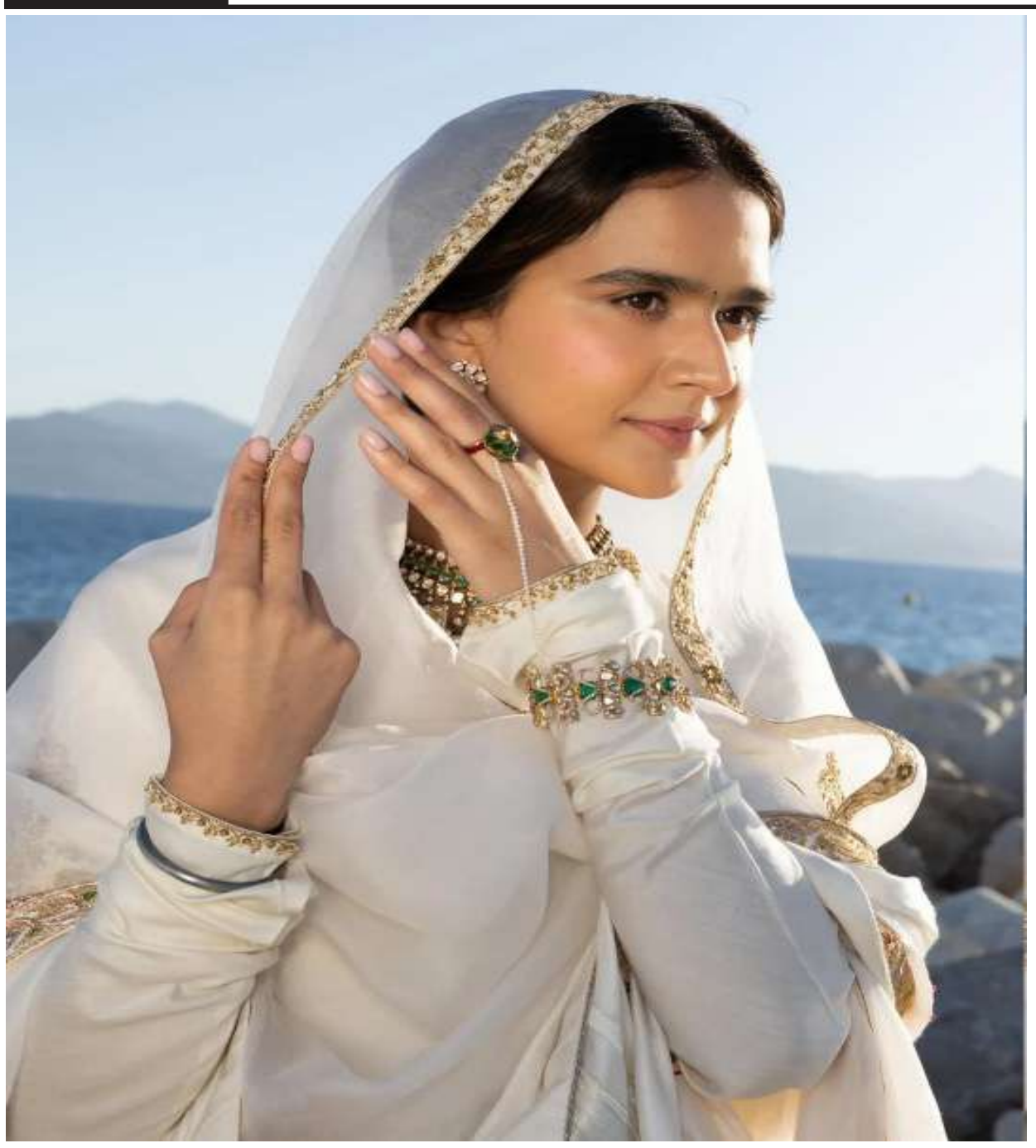

28 साल की उम्र में रूपी गिल ने कान फिल्म फेस्टिवल में बिखेरा जलवा, देसी स्टाइल में दिखीं पंजाबी एक्ट्रेस

पंजाबी अभिनेत्री रूपी गिल ने कान फिल्म फेस्टिवल 2026 के रेड कार्पेट पर बहुत खूबसूरती से एंट्री की। उन्होंने पंजाबी सिनेमा का प्रतिनिधित्व किया और अपनी आने वाली फिल्म चढ़दी कला का प्रचार किया। यह फिल्म 29 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। कान 2026 में रूपी गिल पारंपरिक पंजाबी कपड़ों में सजी हुई नजर आईं। उन्होंने हल्के क्रीम रंग (आइवरी) का शरारा सेट पहना है। इसमें छोटा कुर्ता और घेरदार शरारा पैंट है, जिस पर सोने के रंग की सुंदर कढ़ाई और प्रिंटिंग की गई है। इस पंजाबी लुक में सबसे खास रूपी का फुलकारी स्टाइल का आइवरी दुपट्टा लगा, जिसके किनारों पर भारी सोने की कढ़ाई है। उन्होंने दुपट्टा पारंपरिक पंजाबी तरीके से सिर पर ओढ़ रखा है। उन्होंने इस लुक को पारंपरिक गहनों से पूरा किया। पोल्की–कुंदन का हार जिसमें पन्ने (एमरल्ड) के लटकन लगे थे, मैचिंग झुमके और सोने की चूड़ियां। रूपी गिल ने अपने लुक को इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया और कैप्शन में लिखा, श्कान के कार्पेट पर पंजाब की मिट्टी। फिल्म चढ़दी कला अमरजीत सिंह सरोन द्वारा निर्देशित फिल्म है। इसमें एमी विर्क, हिम्मत संधू और रूपी गिल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह पंजाबी सिनेमा के लिए एक बहुत अच्छा और गर्व का पल है। रूपी गिल का असली नाम रूपिंदर कौर गिल है। रूपी ने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री से की थी। साल 2018 में रूपी गिल ने पंजाबी फिल्म 'अश्केश से बड़े पर्दे पर कदम रखा। इस फिल्म में उन्होंने 'नूरश का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने काफी पसंद किया। अब तक वह 'मां दा लाडला, 'परिंदा पार गया, 'जट्ट नू चुड़ैल टकरी, 'बीबी रजनी और 'मझाइल जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

कान फिल्म फेस्टिवल से सामने आया हुमा कुरैशी का पहला लुक

हुमा कुरैशी ने भी कान फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की है। अपने इंस्टाग्राम पर इस इवेंट से अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा की हैं। अपने इंस्टाग्राम पर ब्लैक बॉस लेडी आउटफिट में कई तस्वीरें हुमा कुरैशी ने साझा की हैं। फ्रेंच रिवेरा के किनारे खड़े होकर हुमा कुरैशी ने दिलकश पोज दिए हैं। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर हुमा कुरैशी ने तस्वीरों के साथ एक कैप्शन भी लिखा है, 'फ्रेंच रिवेरा (कान फिल्म फेस्टिवल के इवेंट वाली जगह) वही कर रहा है, जिस काम में वह सबसे माहिर है। सब कुछ किसी फिल्म जैसा महसूस कराना।

`धुरंधर 2', क्या दर्शकों को मिलेगा कोई बड़ा तोहफा ?

फिल्म 'धुरंधर 2' ने बॉलीवुड में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। यह 1000 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है। अब भी यह भी फिल्म सिनेमाघरों में मौजूद है, इसे रिलीज हुए 57 दिन हो चुके हैं। जल्द ही यह ओटीटी पर भी स्ट्रीम होगी। लेकिन एक नए ट्विस्ट के साथ फिल्म 'धुरंधर 2' ओटीटी पर दर्शकों को देखने को मिलेगी। 'धुरंधर 2' जल्द ही जीयोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली है। 4 जून को इसका डिजिटल प्रीमियर होगा, इसमें एक्टर्स से बातचीत भी शामिल होगी। अगले दिन यानी 5 जून को यह इस प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी। दर्शकों को ओटीटी पर 'धुरंधर 2' का बिना काट–छांट वाला वर्जन देखने को मिलेगा। जो सीन्स थिएटर में दर्शकों को देखने को नहीं मिले, वह ओटीटी पर नजर आ सकते हैं। फिल्म 'धुरंधर 2' को सिनेमाघरों में 57 दिन हो चुके हैं। यह फिल्म अब भी बॉक्स ऑफिस पर कमाई कर रही है। इसने 57वें दिन 42 लाख रुपये कमाए हैं। फिल्म का कुल कलेक्शन भी अब तक 1,144.56 करोड़ रुपये हो चुका है। यह बॉलीवुड में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। वहीं वर्ल्डवाइड भी इस फिल्म ने 1,846.92 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। फिल्म 'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह के अलावा अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, गौरव गेरा, राकेश बेदी, संजय दत्त जैसे उम्दा कलाकार नजर आए। फिल्म को आदित्य धर ने निर्देशित किया था। इस फिल्म का पहला पार्ट भी दर्शकों को पसंद आया था।

कान फिल्म फेस्टिवल में ट्रोलिंग पर आलिया के समर्थन में उतरे सोनू सूद

आलिया भट्ट ने 79वें कान फिल्म फेस्टिवल में अपने अलग–अलग लुक्स से काफी चर्चाएं बटोरीं। उनके अधिकांश लुक्स को पसंद किया गया। लेकिन इस दौरान आलिया भट्ट के एक वायरल वीडियो को लेकर नेटिजंस ने सवाल भी उठाए। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने ऐसा दावा किया कि रेड कार्पेट पर आलिया को एक लुक के दौरान इंटरनेशनल मीडिया द्वारा नजरअंदाज किया गया। अब इस मामले में अभिनेता सोनू सूद आलिया के समर्थन में उतरे हैं। सोनू सूद ने आज शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट साझा की। इस पोस्ट में उन्होंने लोगों से इंटरनेशनल मंचों पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने वालों का समर्थन करने की अपील की। हालांकि, सोनू सूद ने अपनी पोस्ट में सीधे तौर पर आलिया भट्ट का नाम नहीं लिया। अभिनेता ने लिखा, 'जब हमारे देश का कोई व्यक्ति अंतरराष्ट्रीय मंच पर कदम रखता है, तो यह गर्व का पल होना चाहिए, न कि कमियां ढूंढने का कारण। हर उपलब्धि को सार्थक होने के लिए कैमरों, सुर्खियों या अजनबियों से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होती है। वहां खड़े होने, अपनी कला का प्रेजेंट करने और गर्व के साथ अपने सफर को आगे बढ़ाने की हिम्मत अपने आप में एक उपलब्धि है। ट्रोलिंग की आदी इस दुनिया में प्रोत्साहन का रास्ता चुनें। क्योंकि जो लोग अपने सपनों को साकार करने में लगे हैं, उनके पास दूसरों को नीचा दिखाने का समय नहीं होता। आगे बढ़ती रहो और तरक्की करती रहो मेरी दोस्त। सही लोगों ने तुम्हारी प्रतिभा को पहचान लिया है।' इससे पहले अभिनेता अली गोनी ने भी आलिया का बचाव करते हुए ट्रोलर्स की आलोचना की थी। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में अली ने लिखा, 'यह दुखद है जब हमारे ही लोग किसी ऐसे व्यक्ति को नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं, जिसने भारत को वैश्विक मंच पर लाने के लिए इतनी मेहनत की है। आलिया भट्ट ने उन ऊंचाइयों को छुआ है, जिनका कई लोग सिर्फ सपना देखते हैं। उन्होंने कान में हमारे देश का प्रतिनिधित्व गरिमा और गर्व के साथ किया।' इस बीच आलिया भट्ट ने खुद भी सोशल मीडिया पर एक ट्रोलर को सीधे जवाब दिया। उन्होंने कान फिल्म फेस्टिवल में पहनी अपनी आइवरी सिल्क साड़ी–गाउन की एक वीडियो शेयर की। आलिया की इस पोस्ट एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'कितनी अफसोस की बात है, किसी ने आपको नोटिस नहीं किया।'

क्या दर्शकों को पसंद आई पति पत्नी और वो दो ?

फिल्म पति पत्नी और वो दो को कॉमेडी, ग्लैमर और अनोखे सीन्स के लिए सराहा जा रहा है। हालांकि, फिल्म के पहले हिस्से को लेकर दर्शकों की राय मिली–जुली है। जानिए एक्स (ट्विटर) पर यूजर्स फिल्म को लेकर लोग कैसी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई यूजर्स रकुल प्रीत सिंह के किरदार नीलोफर की भी बहुत तारीफ कर रहे हैं। उनकी खूबसूरती और दमदार एक्टिंग को लोग पसंद कर रहे हैं। कई लोग फिल्म के मजेदार लहजे और अभिनय की तारीफ कर रहे हैं। सारा अली खान की खूब प्रशंसा हो रही है। उन्हें चंचल, संवेदनशील और भोली किरदार में बहुत अच्छा बताया गया है। उनकी कॉमिक टाइमिंग और ऊर्जा को खास सराहा गया। कुल मिलाकर सारा अली खान और रकुल प्रीत सिंह के अभिनय को दर्शक पसंद कर रहे हैं । लोग कह रहे हैं कि राय व्यक्तिगत होती है, इसलिए आप खुद जाकर फिल्म देख लें। पति पत्नी और वो दोश 2019 की हिट फिल्म पति पत्नी और वो का सीक्वल है।

पीसीओएस होने पर भूलकर भी न करें ये गलतियां, नहीं तो बढ़ जाएगा रिस्क

खराब लाइफस्टाइल और गलत खान–पान के कारण कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। इन्हीं बीमारियों में से एक पीसीओएस। पीसीओएस के कारण महिलाओं को अनियमित पीरियड्स, पीरियड्स न आना, वजन बढ़ना, मुहांसे जैसी समस्याएं होने लगती हैं। डाइटिशियन एक्सपर्ट् गरिमा की मानें तो पीसीओएस होने पर इन चीजों से परहेज करना चाहिए। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

वजन घटाने पर फोकस करना

बहुत सी महिलाओं को लगता है कि पीसीओएस वजन बढ़ने के कारण हो रही है लेकिन 30: पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं का बॉडी इंडेक्स सामान्य ही होती है। ऐसे में यदि मोटापे से ग्रस्त महिलाओं का वजन कम होने से पीसीओएस के लक्षण कम होने लगेंगे तो सिर्फ यही बीमारी से बचने का उपाय नहीं है। वजन कम करने के दौरान आपके हार्मोन्स भी संतुलित हो सकते हैं जिसके कारण समस्या बढ़ सकती है।

न खाएं ये चीजें

पीसीओएस होने पर अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स चिप्स, बिस्कुट, पेस्ट्री जैसी चीजों का सेवन न करें। यह शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ा सकते हैं जिसके कारण समस्या बढ़ सकती है। ज्यादा पैकेज्ड और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन करने की जगह आप इनकी मात्रा कम कर सकते हैं। इनकी जगह आप पोषक तत्वों से भरपूर चीजें उबले चने, ढोकला, अंकुरित अनाज और फलों का सेवन कर सकते हैं।

अच्छी नींद न लेना

यदि आप पीसीओएस से ग्रस्ति हैं तो आप अपनी नींद का भी पूरा ध्यान रखें। कई अध्ययनों में यह बात साबित हुई है कि नींद पूरी न होने पर ग्लूकोज पचने में दिक्कत आती है जिसके कारण इंसुलिन की कमी हो सकती है। ऐसे में पूरी नींद लें और 7–8 घंटे की नींद लें।

डाइट का ध्यान न रखना

वैसे तो इंटरनेट पर आपको पीसीओएस से बचने के लिए कई तरह के फूड्स मिल जाएंगे परंतु आपको किसी भी चीज का सेवन करने से पहले ध्यान रखना होगा। खासकर ग्लूटेन फ्री और डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन हर किसी के लिए हैल्दी साबित नहीं हो सकता। एक्सपर्ट की सलाह के बिना किसी भी चीज का सेवन करने से समस्या बढ़ सकती है।

एक्सरसाइज न करना

एक्सरसाइज सिर्फ वजन कम करने में ही नहीं बल्कि हार्मोन्स को संतुलित करने में भी मदद करती है। पीसीओएस में नियमित व्यायाम करने से टेस्टोस्टेरोन नाम के हार्मोन्स का स्तर कम करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा एक्सरसाइज करने से आपका मूड़ भी अच्छा होगा और आप खुद को फिट भी रख सकते हैं।

पीसीओएस सिर्फ एक दिन या हफ्ते में ठीक होने वाली बीमारी नहीं है इस रोग को जड़ से मिटाने के लिए लक्षणों पर ध्यान दें। लक्षण दिखने पर अपनी डाइटिशियन या डॉक्टर से संपर्क करें। अच्छी डाइट, हैल्दी लाइफस्टाइल के साथ आप इस रोग को खत्म कर सकते हैं।

(डाइटिशियन गरिमा)

सिरदर्द को दूर भगाएगा नानी मां का ये नुस्खा, दर्द से मिलेगा आराम

ज्यादा देर लेपटॉप और मोबाइल इस्तेमाल करने के कारण आजकल सिरदर्द होने लगता है। कई बार तो दर्द इतना बढ़ जाता है कि हद से पार ही हो जाता है। ऐसे में दर्द बाजार करना भी मुश्किल हो जाता है। इस दर्द को दूर भगाने के लिए आप कुछ घरेलू उपाय अपना सकते हैं। इन उपायों का कोई भी साइड इफेक्ट भी नहीं होगा और आपको दर्द भी दूर भाग जाएगा। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में....

सामग्री

बादाम – 1 कप

सूखा नारियल – 1

धनिया के बीज – 2 चम्मच

खसखस के बीज – 2 चम्मच

तिल के बीज रोस्ट किए हुए – 2 चम्मच

आटे की बनाई कच्ची रोटी – 1

कैसे करें तैयार?

. सबसे पहले नारियल को ऊपर से काट लें।

. फिर इसमें बादाम, सूखा नारियल, धनिया के बीज, खसखस के बीज, रोस्ट किए तिल के बीज डालें।

. अब इस सूखे नारियल को आटे की बनाई कच्ची रोटी से लपेटकर धीमी आंच पर सेंक लें।

. 3–5 मिनट तक सेंकने के बाद इसकी नारियल से रोटी हटा लें।

. सूखे नारियल को ग्राइंड कर लें।

. अब इसमें डाली सामग्री और सूखे नारियल को ग्राइंड करके मिश्रण तैयार कर लें।

. मिश्रण को एक कंटेनर में डाल लें।

. तैयार किए गए मिश्रण का सेवन आप गर्म दूध का साथ करें।

. सिरदर्द की समस्या से काफी राहत मिलेगी।

ये नुस्खे भी आएंगे काम

नींबू की चाय

सिरदर्द से राहत पाने के लिए आप नींबू से तैयार चाय सेवन कर सकते हैं। नींबू को चाय में निचोड़कर पीएं। इस चाय का सेवन करने से दर्द से काफी राहत मिलेगी।

सेब पर नमक

यदि फिर भी सिरदर्द से आराम नहीं मिल रहा तो आप 1 सेब काट लें। सेब पर नमक लगाएं और इससे दर्द से काफी राहत मिलेगी। इससे आपको सिरदर्द से काफी राहत मिलेगी।

बेजान नाखूनों में जान डालने के लिए फॉलो करें ये तरीके, कुछ ही दिन में हो जाएंगे मुलायम और मजबूत

शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के साथ ही नाखूनों की सेहत का भी ध्यान रखना बहुत जरूरी है। क्योंकि इन्हें कीटाणु आसानी से अपना शिकार बना सकते हैं। इसी के साथ ट्रेंड को फॉलो करने के लिए हम नाखूनों पर तरह–तरह के

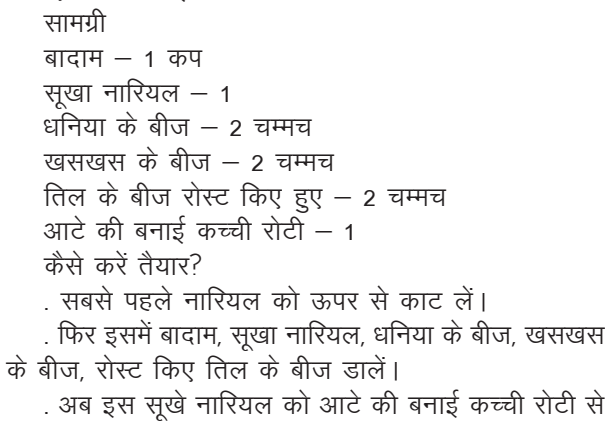

केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते है। जिनसे हमारे नाखून बेजान हो जाते है। लेकिन आपको परेशान होने की जरुरत नहीं है क्योंकि नाखूनों की देखभाल आप घर में मौजूद आंवला से भी कर सकती हैं तो चलिए जानते है इसके बारे में।

सामग्री

गुलाब जल

आंवला

कॉटन

इस तरह करें इस्तेमाल

1 नाखूनों को नेल रिमूवर से साफ करने के बाद हल्के गुनगुने पानी में करीब 2 से 5 मिनट तक डुबोकर रखें। ऐसा करने से आपके नाखून बेहद सॉफ्ट हो जाएंगे।

2 इसके बाद 3 से 4 आंवला लेकर उसका पेस्ट बना लें और उसे एक बाउल में डाल दें। अगर आप चाहे तो इसमें विटामिन–ई के कैप्सूल को काटकर डाल सकती हैं।

3 इन दोनों को अच्छी तरह से मिक्स करके आप नाखूनों के ऊपर लगा लें। नाखूनों के अंदर व क्यूटीक्लस में आंवला को अच्छी तरह से लगाएं।

4 इसे नाखूनों पर लगभग 10 से 15 मिनट तक लगा रहने दें और पानी के साथ अच्छे से साफ कर लें।

5 अब आप नाखूनों के क्यूटीक्लस को नेल फाइनर की मदद से शेप दे सकती हैं और नेल फाइनर की मदद से नाखूनों को भी आकार दें।

6 फिर गुलाब जल को कॉटन पैड में लेकर नाखूनों के अंदर और बाहर अच्छी तरह से साफ कर लें।

7 ऐसा करने के बाद आप मॉइस्चराइजर को हाथों और नाखूनों में लगा सकती हैं। बता दें कि इसी तरह आप पैरों के नाखूनों की भी देखभाल कर सकती हैं।

नई नवेली दुल्हन कर रही है बिछिया की तलाश, तो यहां मिल जाएंगे शानदार डिजाइन

हिंदू धर्म में मंगलसूत्र, पायल और चूड़ियों की तरह बिछिया को भी श्रृंगार का एक अहम हिस्सा माना जाता है। पैरों की उंगलियों पर बिछिया को पहनना सुहाग की निशानी माना जाता है। बिछिया दोनों पैरों के दूसरे पैर की उंगली में जोड़े में पहनी जाती है और आमतौर पर यह चांदी की धातु से बनती है।

परंपरागत रूप से, एक विवाहित महिला अपने पैर के दूसरे पैर की उंगली में बिछिया पहनती है जबकि अविवाहित महिलाएं इसे तीसरे पैर की उंगली में पहनती हैं। ऐसा कहा जाता है कि अविवाहित महिलाओं द्वारा पैर की तीसरी उंगली में चांदी की बिछिया पहनने से उन्हें पीरियड्स के दर्द से राहत मिलती है या कम से कम आराम मिलता है

आयुर्वेद के अनुसार चांदी की बिछिया पहनने से शरीर को ठंडक मिलती है। पैरों के जरिए शरीर के पूरे हिस्से तक ठंडक पहुंचती है, जिससे महिलाओं को पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। वैसे तो बिछिया पहनने का रिवाज बेहद पुराना है, लेकिन बाजार मे आपको एक से एक डिजाइन दिख जाएंगे।

अगर आपकी भी जल्द शादी होने जा रही है और आप बिछिया के लेटेस्ट डिजाइन की तलाया में हैं तो ये आर्टिकल आपके काम आ सकता है। यहां आपको एक से बढ़कर एक बिछिया के डिजाइन देखने को मिल जाएंगे।

इन दिनों ब्लैक कलर के बिछिया काफी चलन में है। इस तरह के डिजाइन हर तरह के कलर और आउटफिट के साथ अच्छे लगते हैं। ये देखने में पुराना फैशन भी नहीं लगता है।

अगर नई नवेली दुल्हन कुछ हटकर दिखना चाहती है तो फुल फिंगर ढाका बिछिया पहन सकती हैं। इससे पैर भरे– भरे दिखते हैं और आपका लुक भी निखर कर आता है।

रेगुलर में पहनने के लिए इस तरह का बिछिया सबसे बेस्ट है। यदि आप लेटेस्ट व आकर्षक डिजाइन वाली बिछिया पहनने की शौकीन है तो इसे एक बार जरूर ट्राई करें।

पीकॉक डिजाइन तो हर चीज में कमाल ही लगता है। इस तरह के बिछिया के डिजाइन काफी यूनिक होते हैं और आपके लुक को रॉयल बना देंगे। यह खूबसूरत होने के साथ– साथ काफी एडजेस्टेबल होते हैं।

संक्षिप्त

कीमतों में भारी गिरावट का डर, 12000 रुपये करोड़ के बकाए पर संकट

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में बढ़ती महंगाई और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण जारी अनिश्चितता के बीच केंद्र सरकार ने 30 सितंबर तक चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार का यह कदम घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उठाया गया है, लेकिन चीनी उद्योग के विशेषज्ञों ने इस अचानक लिए गए फैसले की कड़ी आलोचना की है। विशेषज्ञों के अनुसार इस कदम से घरेलू बाजार में चीनी के दाम बुरी तरह गिरेंगे, मिलों पर कर्ज का भारी बोझ बढ़ेगा और इसका सीधा नुकसान गन्ना किसानों को उठाना पड़ेगा। वेस्ट इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भैरवनाथ ठोंबरे के अनुसार, घरेलू बाजार में चीनी की कीमतें पहले ही गिरना शुरू हो गई हैं। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि 30 सितंबर तक निर्यात पर अचानक लगी इस रोक से वैश्विक बाजार में भारतीय चीनी मिलों की छवि धूमिल होगी। भारत मुख्य रूप से श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, नेपाल और अरब देशों को चीनी का निर्यात करता है और इस प्रतिबंध से उन कारोबारियों के व्यवसाय खतरे में पड़ गए हैं जिन्होंने इन देशों के साथ पहले ही सौदे तय कर लिए थे। निर्यात रुकने से मिलों के नकदी प्रवाह पर असर पड़ने की आशंका है, जिससे किसानों के भुगतान (थ्ंपत ंदक त्मउनदमतंजपअम च्तपबम या थ्त्व) में बड़ी रुकावट आ सकती है। ठोंबरे ने बताया कि अकेले महाराष्ट्र में चीनी मिलों पर थ्त्व का करीब 1,550 करोड़ रुपये बकाया है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह कर्ज लगभग 12,000 करोड़ रुपये का है। ऐसे में मिलों के लिए किसानों का बकाया चुकाना बेहद कठिन हो जाएगा। हालांकि गन्ने की खेती का रकबा कम नहीं होगा, लेकिन किसानों को अपनी उपज से पर्याप्त मुनाफा नहीं मिल सकेगा। उद्योग जगत का आरोप है कि सरकार के पास चीनी क्षेत्र के लिए कोई स्पष्ट और निश्चित नीति नहीं है। नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड (एनसीएफसीएसएफ) के पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश दादेगांवकर ने बताया कि चीनी से जुड़े संगठन पिछले चार वर्षों से चीनी के ऊंचे दाम तय करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने इसके उलट चार बार एफआरपी बढ़ा दिया। दादेगांवकर का कहना है कि इस वजह से चीनी उद्योग पर पहले से ही काफी असर पड़ा है और मौजूदा प्रतिबंध मिलों की वित्तीय स्थिति को और कमजोर कर देगा। मौजूदा संकट के समाधान के रूप में ठोंबरे ने सुझाव दिया है कि निर्यात प्रतिबंध की भरपाई के लिए सरकार को चीनी–आधारित एथेनॉल की खरीद बढ़ानी चाहिए। पेट्रोल में एथेनॉल के इस्तेमाल को मौजूदा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर देना चाहिए, जिससे चीनी मिलों को आर्थिक सहारा मिल सके।

दिनभर की हरियाली के बाद आखिरी सत्र में बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आखिरी सत्र में बिकवाली दिखी। सुबह से हरे निशान पर कारोबार कर रहे बेंचमार्क सूचकांक शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 160.73 (0.21प्रतिशत) फिसलकर 75,237.99 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर निफ्टी 46.10 (0.19प्रतिशत) अंकों की गिरावट के साथ 23,643.50 के स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी सत्र के बाद हिंडाल्को के शेयरों में 3 प्रतिशत जबकि रिलायंस के शेयरों में दो फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को इंट्राडे कारोबार में रुपया 96 के स्तर से नीचे फिसल गया। रुपये पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मजबूत डॉलर और अमेरिकी नीति निर्माताओं की आक्रामक टिप्पणियों का दबाव दिखा। विदेशी मुद्रा व्यापारियों के अनुसार विदेशी पूंजी के लगातार बहिर्वाह और कमजोर शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के बीच अमेरिकी डॉलरध्भारत रुपये की जोड़ी भारी दबाव में है, जिससे भुगतान संतुलन पर दबाव पड़ रहा है। वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितताएं, अपेक्षाकृत उच्च मूल्यांकन और एआई–आधारित निवेश के अवसरों की कमी ने पूंजी प्रवाह पर दबाव डाला है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.86 पर खुला, फिर कमजोर हुआ और दिन के कारोबार में रिकॉर्ड निचले स्तर 96.14 पर आ गया। रुपये में पिछले दिन की क्लोजिंग के मुकाबले 50 पैसे की गिरावट दर्ज की गई।

एक लाइसेंस पर 100 किलो की सीमा तय

नई दिल्ली,एजेंसी। बढ़ते आयात बिल और विदेशी मुद्रा पर दबाव के बीच सरकार ने सोने के कर–मुक्त (ड्यूटी–फ्री) आयात नियमों को और सख्त कर दिया। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने रत्न एवं आभूषण निर्यातकों के लिए पांच नए नियम जारी किए, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। अब अग्रिम प्राधिकार (एडवांस ऑथराइजेशन) के तहत एक लाइसेंस पर अधिकतम 100 किलोग्राम कर–मुक्त सोना ही आयात किया जा सकेगा। क्षेत्रीय प्राधिकरण पहली बार आवेदन करने वाले कारोबारियों का निरीक्षण करेंगे। दोबारा आयात लाइसेंस तभी जारी होगा जब पहले वाले लाइसेंस के तहत तय निर्यात दायित्व का न्यूनतम 50 फीसदी पूरा किया गया हो। लाइसेंसधारकों को आयात–निर्यात की हर 15 दिन पर विस्तृत रिपोर्ट देनी होगी। इसे स्वतंत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट की ओर से प्रमाणित किया जाएगा। क्षेत्रीय कार्यालयों को हर माह डीजीएफटी मुख्यालय को सभी लाइसेंस और लेनदेन की रिपोर्ट भेजनी होगी, ताकि निगरानी सुचारु हो सके। सरकार ने एक दिन पहले ही सोने पर आयात शुल्क 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया था। रत्न एवं आभूषण उद्योग ने फैसले पर चिंता जताते हुए कहा है, ज्यादा शुल्क और सख्त नियमों से ग्रे–मार्केट और सोने की तस्करी बढ़ सकती है। सरकार के दोनों फैसले ऐसे समय आए।

संन्यास से पहले यह पल जी पाया, इसके लिए भगवान का शुक्रिया, पिछले सीजन को याद कर भावुक हुए कोहली

पटियाला,एजेंसी। आरसीबी पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान विराट कोहली ने आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद की भावनाओं को याद किया। उन्होंने कहा, वो सारी भावनाएं और एहसास एक साथ बाहर आ गए थे। मैं घुटनों पर बैठ गया था, हाथ जोड़कर सिर्फ भगवान को धन्यवाद कह रहा था कि संन्यास लेने से पहले मैं यह पल जी पाया। विराट 2008 से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा हैं और लंबे समय तक टीम की कप्तानी भी कर चुके हैं। ऐसे में यह जीत उनके लिए और भी ज्यादा खास रही। विराट ने कहा कि इतने वर्षों तक ट्रॉफी के करीब पहुंचकर हारने का दर्द ही इस जीत को और खास बनाता है। उन्होंने कहा, लोगों को शब्दों में समझाना बहुत मुश्किल है कि आखिरी ओवर की अंतिम चार गेंदों के दौरान मैं क्या महसूस कर रहा था। बाहर से लोग सिर्फ यह देखते हैं कि आरसीबी एक बड़ी फ्रेंचाइजी है जिसने कभी ट्रॉफी नहीं जीती। लेकिन उस दबाव को साल–दर–साल जीना अलग बात होती है और मैंने वह सब खुद महसूस किया है। आरसीबी को अक्सर लगभग चैंपियन कहकर देखा जाता था, क्योंकि टीम कई बार प्लेऑफ और फाइनल तक पहुंची लेकिन खिताब नहीं जीत सकी। विराट ने माना कि अगर आरसीबी शुरुआती वर्षों में ट्रॉफी जीत जाती, तो शायद यह एहसास इतना बड़ा नहीं होता। उन्होंने कहा, मैं पूरी ईमानदारी से कह सकता हूं कि अगर हमने शुरुआती वर्षों में ट्रॉफी जीत ली होती, तो शायद मुझे इस खुशी का पांच प्रतिशत भी महसूस नहीं होता। 18 साल का तनाव, दबाव और इंतजार इस पल को मेरे क्रिकेट करियर का सबसे बेहतरीन अनुभव बना गया। विराट ने यह भी कहा कि अगर आरसीबी ट्रॉफी नहीं जीत पाती, तो वह पछतावे के साथ नहीं जीते, लेकिन दिल में एक सवाल हमेशा रहता। उन्होंने कहा, मैं पछतावे के साथ आगे नहीं बढ़ता, लेकिन मेरे अंदर हमेशा यह सवाल जरूर रहता कि आखिर वह पल कैसा महसूस होता। 37 साल के विराट कोहली आईपीएल 2026 में भी शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने 12 मैचों में 484 रन बनाए हैं और उनकी दमदार बल्लेबाजी के दम पर आरसीबी इस समय अंक तालिका में शीर्ष पर मौजूद है। टीम लगातार दूसरी बार खिताब जीतने की ओर मजबूत कदम बढ़ा रही है।

अगर ड्रेसिंग रूम में अनबन की खबरें सही हैं तो हार्दिक को रिलीज करो, वीरू का मुंबई इंडियंस को सुझाव

नई दिल्ली,एजेंसी। मुंबई इंडियंस ने पंजाब किंग्स के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की, लेकिन टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या इस मुकाबले में नहीं खेले। उनकी गैरमौजूदगी को लेकर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं।

फ्रेंचाइजी की ओर से बताया गया कि हार्दिक पीठ में ऐंठन की समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में ड्रेसिंग रूम तनाव और कुछ खिलाड़ियों के साथ मतभेद की बातें भी सामने आईं। इन खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए वीरेंद्र सहवाग ने कहा, अगर सिर्फ क्रिकेट की बात करें तो हार्दिक को जरूर रिटेन करना चाहिए। लेकिन जो ड्रेसिंग रूम तनाव और ऑफ–फील्ड विवाद की खबरें चल रही हैं, अगर वे सच हैं तो उन्हें रिलीज कर देना चाहिए। हालांकि अगर ये बातें गलत हैं, तो क्रिकेट के आधार पर वह टीम में रहने लायक खिलाड़ी हैं क्योंकि वह टॉप क्वालिटी प्लेयर हैं।श सहवाग ने साफ किया कि व्यक्तिगत तौर पर वह हार्दिक को टीम में बनाए रखना चाहेंगे।

उन्होंने कहा, इन अफवाहों के बावजूद मैं उन्हें रिटेन करूंगा। ड्रेसिंग रूम के मतभेद अगर हैं भी, तो उन्हें सुलझाया जा सकता है। आखिरकार आपको टीम की तरह खेलना होता है और हार्दिक एक खिलाड़ी के रूप में बेहद अहम हैं। मुंबई इंडियंस को उनकी जरूरत है। सहवाग ने हार्दिक की कीमत को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि हार्दिक की असली वैल्यू मौजूदा आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी के बराबर है।

उन्होंने कहा, श्याद रखिए, वह तब भी शानदार खेलते थे जब मुंबई इंडियंस के कप्तान नहीं थे। उस समय भी ऐसी अफवाहें थीं। लेकिन मैं फिर भी उन्हें रिटेन करूंगा।

सच कहूं तो 16.35 करोड़ उनके लिए बहुत कम रकम है। वह 27 करोड़ रुपये के खिलाड़ी हैं। मुंबई इंडियंस के इस सीजन में अभी दो मुकाबले बाकी हैं। अब सबकी नजर इस बात पर रहेगी कि हार्दिक पांड्या इन मैचों में वापसी करते हैं या नहीं। टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है, लेकिन बाकी मुकाबले खिलाड़ियों और टीम के भविष्य के लिहाज से अहम माने जा रहे हैं।

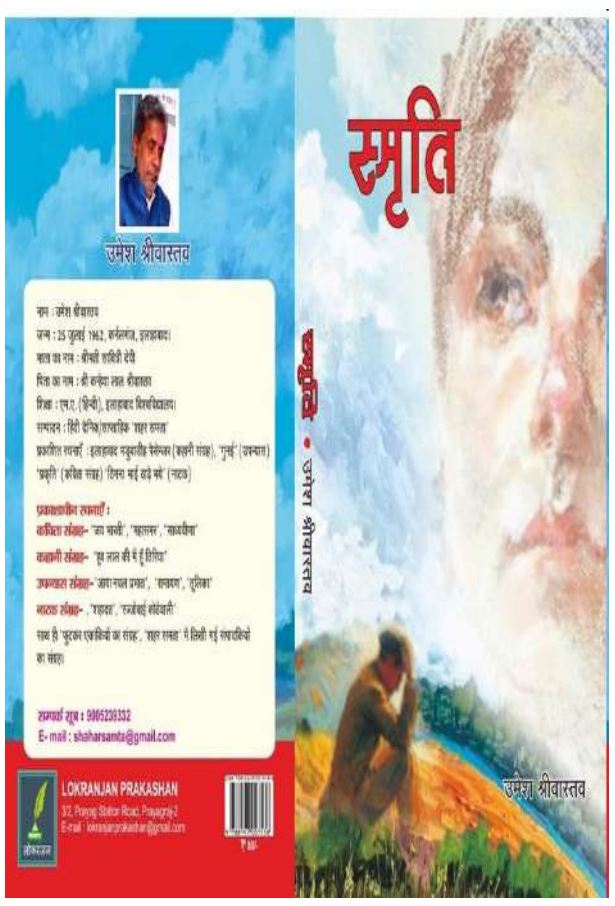

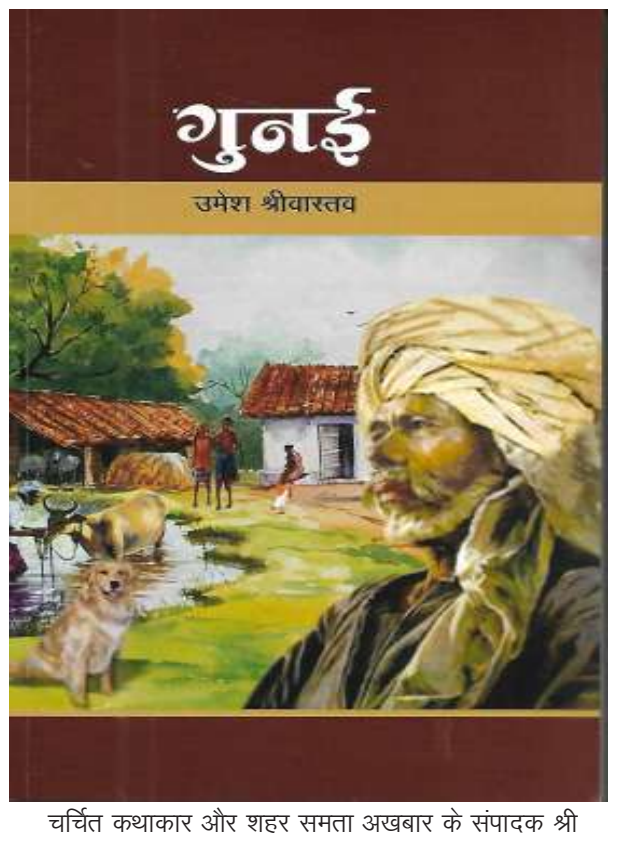

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

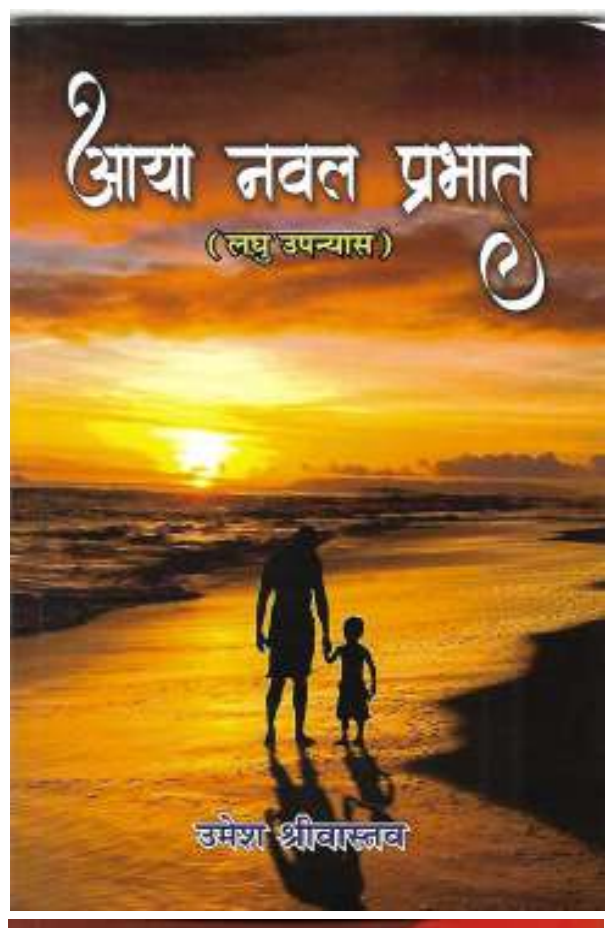

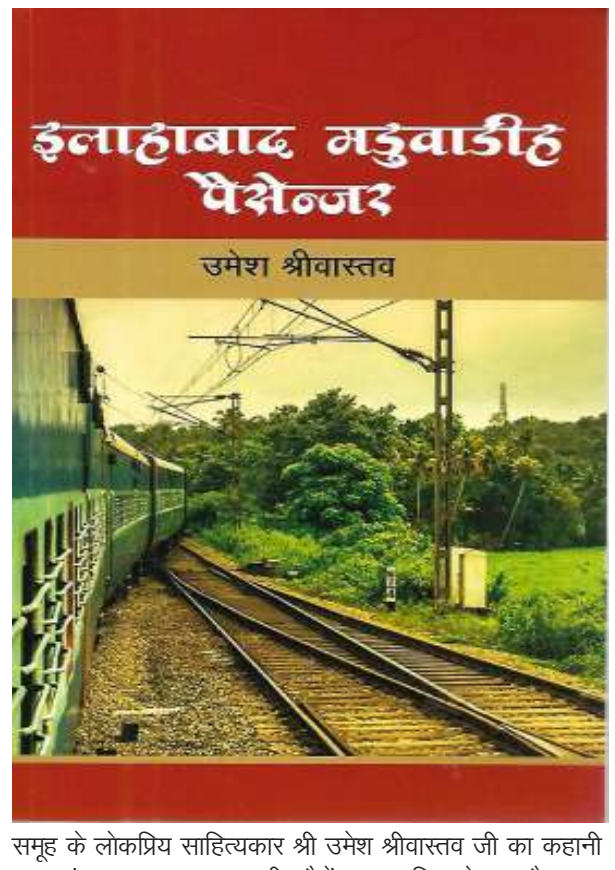

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

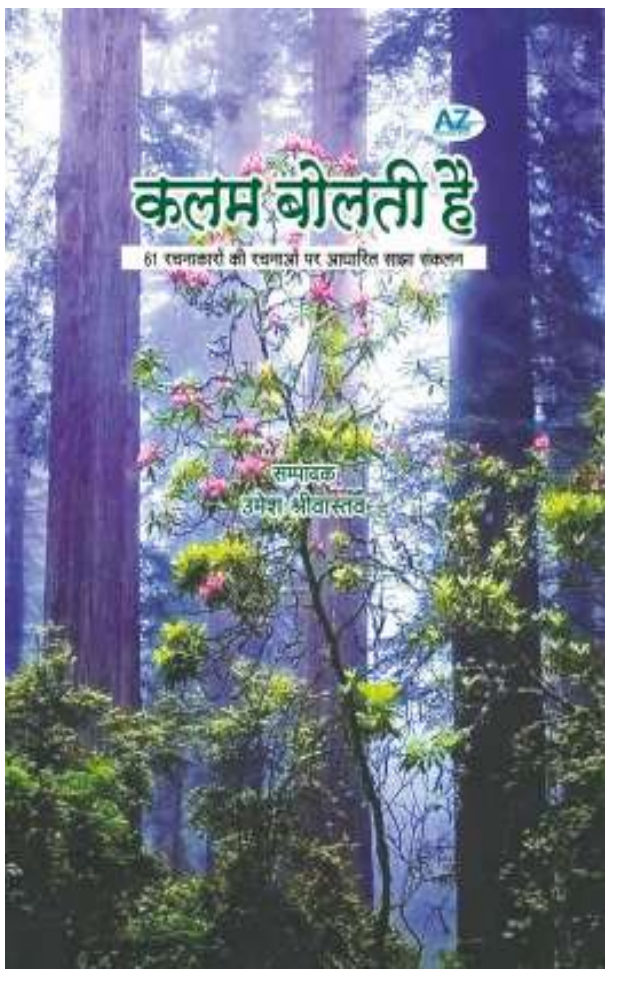

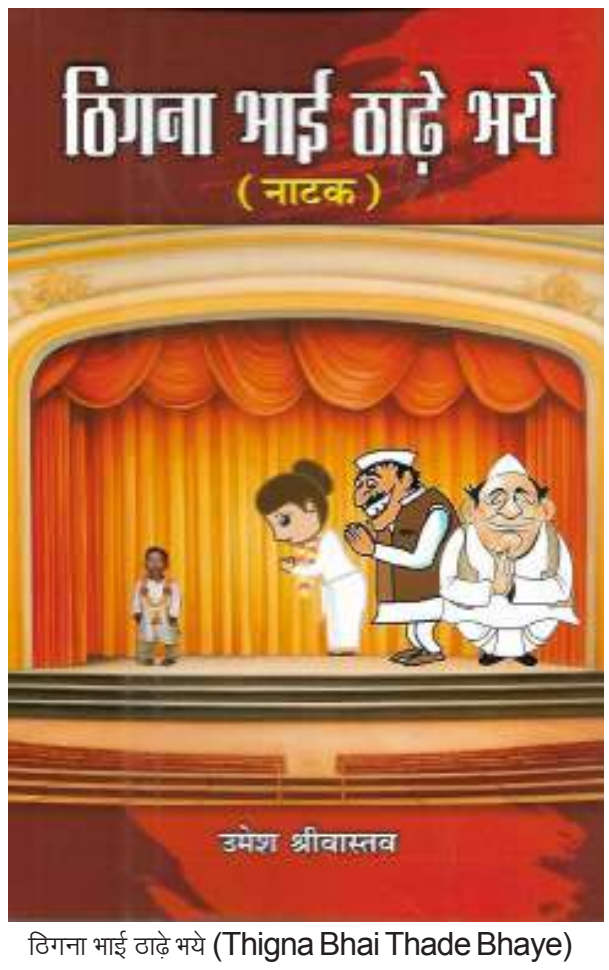

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

इस्राइल और लेबनान के बीच तीसरे दौर की वार्ता खत्म, अमेरिका बोला- सकारात्मक रही बैठक

वाशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान के बीच शांति वार्ता का तीसरा दौर पूरा हो गया है। गुरुवार को अमेरिकी विदेश मंत्रालय में तीसरे दौर की बातचीत आठ घंटे से अधिक समय तक चली। श्जेरूसलम पोस्टश की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने क्या कहा? अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, यह बातचीत श्उत्पादक और सकारात्मकश रही। दोनों देशों के प्रतिनिधि आगे की चर्चा के लिए शुक्रवार को फिर

मिलेंगे। अधिकारी ने कहा, बातचीत को आगे भी जारी रखा जाएगा और उम्मीद है कि आने वाले समय में और जानकारी साझा की जाएगी। वार्ता में तीनों देशों की ओर से कौन–कौन शामिल हुए? इन वार्ताओं में अमेरिका की मध्यस्थता का नेतृत्व अमेरिका के इस्राइल में राजदूत माइक हकाबी, विदेश मंत्री मार्को रुबियो के सलाहकार माइकल नीडहम और अमेरिका के लेबनान में राजदूत माइकल ईसा ने किया। इस्राइल के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका में इस्राइली राजदूत येहिएल लीटर ने किया। उनके साथ रणनीति प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल अमीचाई लेविन, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के एक प्रतिनिधि और वाशिंगटन में कार्यरत इस्राइली सैन्य प्रतिनिधि भी शामिल थे। लेबनान के प्रतिनिधिमंडल में अमेरिका में लेबनान के पूर्व राजदूत साइमन करम, वर्तमान लेबनानी राजदूत नादा हमादे मौआवद और वाशिंगटन में लेबनान के सैन्य प्रतिनिधि शामिल थे। पहली बार वार्ता में शामिल हुए सैन्य अधिकारी वार्ता से पहले एक इस्राइली अधिकारी ने जेरूसलम पोस्ट को बताया था कि इन बातचीतों का मकसद समझौते के ढांचे पर और गहराई से चर्चा करना है। बताया जा रहा है कि यह पहली बार है जब इन वार्ताओं में सैन्य प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया है और यह बैठक तीन सप्ताह के युद्ध विराम विस्तार की समाप्ति से ठीक पहले हुई। युद्ध विराम की घोषणा 23 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति ने की थी। आईडीएफ ने जारी किया सैन्य कार्रवाई का वीडियो इस बीच, इस्राइली सेना ने अपनी कार्रवाई जारी रखते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिजबुल्ला आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई की वीडियो साझा की है। सेना के मुताबिक, सैन्य अभियान शुरू होने के बाद से अब तक 400 से अधिक आतंकियों को खत्म किया गया है और 1000 से ज्यादा हथियार बरामद किए गए हैं।

विवादों से नहीं छूट रहा पीछा: फिर कटघरे में काश पटेल, समुद्र में छुट्टी और यात्राओं को लेकर चौंकाने वाले दावे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के निदेशक काश पटेल एक बार फिर मुश्किलों में घिर गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी सरकारी यात्राओं के दौरान काम

के साथ–साथ निजी मौज–मस्ती को मिला दिया। ताजा विवाद उनके हवाई दौरे को लेकर है, जहां उन्होंने पर्ल हार्बर स्मारक जैसे पवित्र और संवेदनशील स्थान पर श्स्नॉर्कलिंगश (समुद्र की सतह पर तैरना) की। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस जगह वह तैराकी कर रहे थे, वह द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए 900 से अधिक अमेरिकी सैनिकों की जलमग्न समाधि ा है। इस खुलासे के बाद अमेरिका में उनके पद के दुरुपयोग को लेकर बहस छिड़ गई है। सरकारी ईमेल से मिले दस्तावेजों के आधार पर यह खुलासा हुआ है कि पिछले साल अगस्त में काश पटेल जब हवाई गए थे, तो एफबीआई ने इसे पूरी तरह सरकारी दौरा बताया था। आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया कि उन्होंने वहां कानून लागू करने वाली एजेंसियों से मुलाकात की। लेकिन, एफबीआई ने यह बात दबा ली कि आधिकारिक काम खत्म होने के बाद पटेल दो दिनों के लिए वहां वापस लौटे और श्वीआईपी स्नॉर्कलिंगश का लुत्फ उठाया। उन्होंने यूएसएस एरिजोना युद्धपोत के मलबे के पास तैराकी की, जो एक मिलिट्री कब्रिस्तान है। आम लोगों के लिए यहां तैरना या गोताखोरी करना सख्त मना है, क्योंकि यह 1941 में जापान के हमले में मारे गए वीरों की याद में बना एक अत्यंत पवित्र स्थल है। काश पटेल पर संसाधनों के गलत इस्तेमाल के आरोप नए नहीं हैं। आलोचकों का कहना है कि वे अक्सर सरकारी विमान और सुविध ाओं का उपयोग अपनी छुट्टियों और निजी शौक पूरा करने के लिए करते हैं। अभी कुछ समय पहले फरवरी में भी वह तब विवादों में आए थे, जब मिलान में शीतकालीन ओलंपिक के दौरान अमेरिकी हॉकी टीम के साथ जश्न मनाते हुए उनका वीडियो सामने आया था। उस समय पटेल ने सफाई दी थी कि वह साइबर अपराध की जांच के लिए वहां गए थे। अब पर्ल हार्बर के पवित्र स्थल पर उनकी इस गतिविधि को श्गंभीर विचलनश माना जा रहा है, जिससे उनकी पेशेवर छवि पर सवाल उठ रहे हैं। यूएसएस एरिजोना स्मारक की देखरेख नौसेना और नेशनल पार्क सर्विस करती है। हालांकि यहां गोताखोरी वर्जित है, लेकिन ओबामा प्रशासन के समय से ही कुछ बेहद खास वीआईपी अधि ाकारियों को यहां तैराकी की गोपनीय अनुमति दी जाती रही है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

कर्ज जाल में फंसा पाक: अब पैसे जुटाने का तरीका बदला, चीन के पूंजी बाजार में पहली बार जारी किया पांडा बॉन्ड

इस्लामाबाद, एजेंसी। आर्थिक तंगी से जूझ रहा पाकिस्तान अब कर्ज जाल में बुरी तरह फंस गया है। एक बार फिर वह पैसे जुटाने के लिए वह अपने सदाबहार मित्र चीन के पास पहुंचा है। हालांकि, इस बार उसका पैसे जुटाने का तरीका बदल गया है। दरअसल, पाकिस्तान ने पहली बार चीन के घरेलू पूंजी बाजार में पांडा बॉन्ड जारी किया है और 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। इसके साथ ही उसका चीन के पूंजी बाजार में औपचारिक रूप से प्रवेश हो गया है। पांडा बॉन्ड क्या है? पांडा बॉन्ड चीन की मुद्रा रेनमिनबी (आरएमबी) में जारी किया जाता है। इसे कोई विदेशी संस्था, संप्रभु सरकार, अंतरराष्ट्रीय संगठन या बहुराष्ट्रीय कंपनी चीन के घरेलू पूंजी बाजार में बेचती है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री ने क्या कहा? पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब के सलाहकार खुर्रम शहजाद ने गुरुवार को बताया कि इस बॉन्ड पर 2.5 प्रतिशत ब्याज दर रखी गई है। इसकी अवधि तीन साल की है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि यह पहला पांडा बॉन्ड तीन साल की निश्चित ब्याज दर वाला वित्तीय साधन है। यह चीन के घरेलू पूंजी बाजार में पाकिस्तान का पहला रिनमिनबी आधारित सरकारी बॉन्ड है। जिओ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने अंतराष्ट्रीय निवेशकों की नजरों के बीच पाकिस्तान ने 75 करोड़ डॉलर जुटाने के लिए यूरो बॉन्ड जारी किया था। सऊदी से पैसे लिए और यूएई को लौटाए रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामाबाद को सऊदी अरब से अतिरिक्त तीन अरब डॉलर की जमा राशि भी मिली और उसने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 3.4 अरब डॉलर लौटाए। इसके अलावा, पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से भी 1.3 अरब डॉलर की आर्थिक मदद मिली है। वित्त मंत्रालय के सलाहकार ने क्या कहा? यह घटनाक्रम वित्त मंत्री औरंगजेब के चीन रवाना होने के एक दिन बाद सामने आया, जहां वह पाकिस्तान के पहले पांडा बॉन्ड जारी करने के समारोह में शामिल होने गए थे। एक बयान में खुर्रम शहजाद ने कहा कि 1.75 अरब आरएमबी (करीब 25 करोड़ डॉलर) के इस पांडा बॉन्ड को निवेशकों की जबरदस्त मांग मिली। इसके लिए 8.8 अरब आरएमबी (लगभग 1.26 अरब डॉलर) से अधिक की बोली लगी, जिससे यह पांच गुना से ज्यादा सब्सक्राइब हुआ। बयान में कहा गया कि पहले चरण की मांग ही पाकिस्तान के पूरे प्रस्तावित पांडा बॉन्ड कार्यक्रम 7.2 अरब आरएमबी (करीब 1 अरब डॉलर) से ज्यादा रही। यह पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और सुधार कार्यक्रमों पर बढ़ते वैश्विक भरोसे को दिखाता है। सलाहकार ने कहा कि यह केवल वित्त जुटाने का सौदा नहीं है, बल्कि इससे पाकिस्तान ने चीन के पूंजी बाजार में प्रवेश किया है और दोनों देशों के बीच वित्तीय सहयोग मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि पांडा बॉन्ड की सफलता से वैश्विक निवेशकों को यह मजबूत संदेश गया है कि पाकिस्तान की आर्थिक सुधार प्रक्रिया को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल रही है। बयान में यह भी कहा गया कि इस बॉन्ड जारी करने में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (एएआईबी) का सहयोग मिला है।

'शी और ट्रंप के बीच बनी नई सहमतियां', चीनी विदेश मंत्रालय ने बताया रिश्तों के लिए अहम कदम

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बीजिंग में हुई उच्चस्तरीय बैठक में दोनों देशों और दुनिया से जुड़े कई बड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। चीन के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत के दौरान कई नए साझा समझौते और सहमतियां बनीं। यह नई सोच आगे दोनों देशों के संबंधों को दिशा देगी

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि दोनों राष्ट्रपतियों ने चीन–अमेरिका संबंधों को रणनीतिक स्थिरता वाले रचनात्मक रिश्ते के रूप में आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है। यह नई सोच आने वाले तीन वर्षों और उससे आगे तक दोनों देशों के संबंधों को दिशा देगी। बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने चीन–अमेरिका संबंधों को स्थिर, स्वस्थ और टिकाऊ तरीके से आगे बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की। उनका मानना है कि इससे दुनिया में शांति, समृद्धि और विकास को बढ़ावा मिलेगा। डोनाल्ड ट्रंप चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर बीजिंग पहुंचे हैं। पिछले साल अक्तूबर में बुसान में हुई मुलाकात के बाद यह दोनों नेताओं की पहली आमने–सामने की बैठक है। साथ ही, पिछले नौ वर्षों में किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की यह पहली चीन यात्रा भी है।

ट्रंप ने शी को बताया महान नेता ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच शानदार व्यापार समझौते हुए हैं, जो अमेरिका और चीन दोनों के लिए फायदेमंद होंगे। उन्होंने शी जिनपिंग की तारीफ करते हुए कहा, वह एक महान व्यक्ति हैं, जिनका मैं बहुत सम्मान करता हूं।

ट्रंप ने दावा किया कि दोनों नेताओं ने कई ऐसे मुद्दों को सुलझाया है, जिन्हें दूसरे लोग शायद हल नहीं कर पाते। उन्होंने कहा, "हमने कई समस्याओं का समाधान किया है, जिन्हें बहुत से लोग सुलझा नहीं सकते थे। ईरान मुद्दे पर भी दोनों नेताओं के बीच चर्चा हुई। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और चीन दोनों चाहते हैं कि ईरान संकट खत्म हो। उन्होंने दोहराया कि दोनों देश नहीं चाहते कि ईरान के पास परमाणु हथियार हों। ट्रंप ने यह भी कहा कि समुद्री व्यापार मार्ग खुले रहना बेहद जरूरी है। उनका इशारा रणनीतिक जलमार्गों और वैश्विक सप्लाई चेन की सुरक्षा की ओर था। इस दौरान ट्रंप ने घोषणा की कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 24 सितंबर को अमेरिका का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा, "यह यात्रा पारस्परिक होगी और मुझे उम्मीद है कि वह भी चीन को लेकर मेरी तरह प्रभावित होकर लौटेंगे। ट्रंप ने शुक्रवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बीजिंग स्थित झोंगनानहाई परिसर में अहम बैठक की। यह मुलाकात ट्रंप की दो दिवसीय चीन यात्रा का हिस्सा है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक के दौरान ट्रंप ने परिसर के खूबसूरत बगीचों और वहां की साज–सज्जा की तारीफ की। शी जिनपिंग खुद ट्रंप के साथ पूरे परिसर में मौजूद रहे। झोंगनानहाई को चीन का व्हाइट हाउस माना जाता है। यह चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का सबसे अहम नेतृत्व परिसर है, जहां चीन के शीर्ष नेता काम करते हैं और महत्वपूर्ण सरकारी फैसले लिए जाते हैं। करीब 1,500 एकड़ में फैला यह परिसर बड़े–बड़े झीलों, पारंपरिक बगीचों, मंडपों और सरकारी दफ्तरों से घिरा हुआ है। इसे चीन के सबसे सुरक्षित और गोपनीय इलाकों में गिना जाता है। यहां सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी रहती है और आम लोगों की पहुंच पूरी तरह सीमित होती है।

'चीन भी नहीं चाहता कि ईरान बने परमाणु ताकत': डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा, बोले- शी जिनपिंग ने मदद की पेशकश की

बीजिंग,एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि चीन भी नहीं चाहता कि ईरान परमाणु हथियार हासिल करे। चीन की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि इस मुद्दे पर उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से विस्तार से बातचीत हुई और शी जिनपिंग ने भी ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोकने की जरूरत पर सहमति जताई। ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति शी ईरान के साथ अमेरिका की डील देखना चाहते हैं। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मैं किसी भी तरह मदद कर सकता हूं, तो मैं मदद करना चाहूंगा। ट्रंप के मुताबिक, चीन भी नहीं चाहता कि ईरान के पास परमाणु हथियार हों। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि तेहरान के सामने अब केवल दो विकल्प बचे हैं समझौता या विनाश। उन्होंने कहा कि वे अब खत्म हो चुके हैं। वे डील कर सकते हैं या फिर पूरी तरह तबाह हो जाएंगे। ट्रंप ने दोहराया कि अमेरिका किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमता को लेकर भी बड़े दावे किए। उन्होंने कहा कि अमेरिकी ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने उन्हें जानकारी दी कि अमेरिका ईरान के अहम तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप को चार या पांच मिनट में पूरी तरह निष्क्रिय कर सकता है। ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का बचाव करते हुए ट्रंप ने कहा कि यह संघर्ष अमेरिका के पुराने युद्धों जैसे वियतनाम और इराक से अलग और छोटा होगा। उन्होंने दावा किया कि ईरान की नौसेना लगभग खत्म हो चुकी है और उसके पास प्रभावी एयर फोर्स या एंटी–एयरक्राफ्ट क्षमता नहीं बची है। जब ट्रंप से चीन और ईरान के रिश्तों पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यह मुद्दा भी शी जिनपिंग के साथ बातचीत में उठा था। ट्रंप के अनुसार, शी ने उन्हें भरोसा दिलाया कि चीन ईरान को सैन्य उपकरण नहीं देगा। यह बयान इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि चीन वर्तमान में ईरान के तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन लगभग 90 प्रतिशत ईरानी तेल खरीदता है। दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी के साथ–साथ रक्षा और सैन्य सहयोग भी मजबूत माना जाता है। ट्रंप ने शी जिनपिंग की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें गर्मजोशी वाला लेकिन पूरी तरह काम पर केंद्रित नेता बताया। उन्होंने कहा कि वो पूरी तरह बिजनेस माइंडेड हैं और मुझे यह पसंद है। कोई खेल नहीं, कोई दिखावा नहीं। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग उनकी आलोचना करते हैं कि वह कुछ विदेशी नेताओं की तारीफ क्यों करते हैं, लेकिन वह शी जिनपिंग का सम्मान करते हैं क्योंकि वह करीब डेढ़ अरब लोगों वाले देश का नेतृत्व कर रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि शी जिनपिंग ने बातचीत के दौरान 200 बड़े बोइंग विमानों का ऑर्डर देने पर सहमति जताई। उन्होंने कहा कि बहुत बड़े विमान३ यह बहुत बड़ी डील है। इसके अलावा ट्रंप ने कहा कि उन्होंने चीन से व्यापार में वीजा कार्ड के इस्तेमाल की भी मांग की है। उन्होंने यह भी दावा किया कि चीन बड़ी मात्रा में अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने की तैयारी कर रहा है, जिसे उन्होंने अमेरिकी किसानों के लिए बेहतरीन खबर बताया।

भारतीय जहाज पर हमले की UAE ने की निंदा: पीएम मोदी के दौरे से पहले कहा- समुद्री सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

अबूधाबी, एजेंसी। भारत के प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुक्रवार को अबू धाबी दौरे से ठीक पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओमान तट के पास भारतीय ध्वज वाले एक जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। यूएई ने इसे आतंकी हमला और अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया साथ ही भारत के साथ पूरी एकजुटता की बात कही है। यूएई के विदेश मंत्रालय (एमओएफए) ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि ओमान के समुद्री क्षेत्र के पास भारतीय जहाज पर हुआ हमला श्खतरनाक उकसावाश है, जिसका उद्देश्य अहम समुद्री रास्तों की स्थिरता को नुकसान पहुंचाना है। मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है और इससे वैश्विक समुद्री सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है। यूएई ने भारत को भरोसा दिलाया कि वह भारतीय जहाजों और समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले हर कदम का समर्थन करेगा। बयान में कहा गया कि यह हमला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव का उल्लंघन है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करने की बात कही गई है। वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय झंडे वाले जहाज पर हमला पूरी तरह अस्वीकार्य है और व्यापारिक जहाजों तथा आम नाविकों को लगातार निशाना बनाया जाना बेहद चिंताजनक है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर मौजूद सभी भारतीय चालक दल सुरक्षित हैं और ओमान प्रशासन ने उन्हें बचाने में मदद की है। भारत ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों पर हमले और समुद्री व्यापार में बाधा डालने वाली घटनाओं से बचना चाहिए।

स्ट्रक्चरल पेस्ट कंट्रोल बोर्ड में शामिल हुए भारतीय मूल के योगेश चुघ, कैलिफोर्निया के गवर्नर ने की घोषणा

वाशिंगटन, एजेंसी। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम ने राज्य की विभिन्न एजेंसियों में कई नई नियुक्तियों की घोषणा की है। इनमें भारतीय मूल के व्यवसायी योगेश श्योगीश चुघ को संरचनात्मक कीट नियंत्रण बोर्ड (स्ट्रक्चरल पेस्ट कंट्रोल बोर्ड) में शामिल किया गया है। यह जानकारी गवर्नर कार्यालय की आधि ाकारिक बयान में दी गई है। योगेश चुघ कैलिफोर्निया के फ्रीमोंट

में रहते हैं। उन्हें इस बोर्ड में नियुक्त किया गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, वह 2013 से एक परामर्श देने वाली कंपनी में कार्यकारी प्रबंध निदेशक के रूप में काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 1996 से 2012 तक सोनी कंप्यूटर एंटरटेनमेंट मीडिया कंपनी में प्लेस्टेशन से जुड़ी अलग–अलग जिम्मेदारियां संभालीं, जिनमें ग्राहक संबंध प्रबंधन तकनीक और उपभोक्ता सेवाओं का नेतृत्व शामिल है। गवर्नर कार्यालय ने यह भी बताया कि चुघ ने 1993 से 1996 तक एक बड़ी परामर्श देने वाली कंपनी में व्यवसाय सेवाओं के प्रबंधक के रूप में काम किया था। चुघ एशियाई और प्रशांत द्वीप मूल के अमेरिकी समुदाय से जुड़े एक सार्वजनिक संगठन के सदस्य हैं और भारत तथा प्रवासी भारतीयों के अध्ययन से जुड़ी एक संस्था से भी जुड़े हुए हैं। उन्होंने कैलिफोर्निया राज्य विश्वविद्यालय से व्यापार प्रबंधन में स्नातक की डिग्री और दिल्ली विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। सीनेट की मंजूरी के बिना यह नियुक्ति की गई है और इसमें प्रतिदिन 100 डॉलर का मानदेय मिलेगा। इसके साथ ही गवर्नर ने अन्य कई नियुक्तियों की भी घोषणा की है। इनमें सैक्रामेंटो के सुब्बाराव मुप्पाराजू को कैलिफोर्निया की वित्तीय सूचना प्रणाली का निदेशक बनाया गया है। मुप्पाराजू वर्तमान में इसी विभाग में मुख्य उप निदेशक के रूप में कार्यरत थे। इससे पहले वह कैलिफोर्निया के आवास और समुदाय विकास विभाग में मुख्य सूचना अधि ाकारी रह चुके हैं। वह आईबीएम और एचपी एंटरप्राइज सर्विसेज जैसी कंपनियों में भी वरिष्ठ पदों पर काम कर चुके हैं और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में भी उनकी भूमिका रही है। कैलिफोर्निया में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं, खासकर सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र और सिलिकॉन घाटी में, जहां वे तकनीक, व्यापार और प्रशासनिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

ट्रंप ने बाइडन पर साधा निशाना, जिनपिंग की बात का समर्थन किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग का यह आकलन सौ फीसदी सही था कि कि अमेरिका एक पतन की ओर जा रहा राष्ट्र था। उनका इशारा पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल की ओर था। ट्रंप ने क्या कहा?

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, जब राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बड़ी ही शालीनता से अमेरिका को एक पतन की ओर जाने वाला राष्ट्र बताया, तो उनका तात्पर्य नींद में रहने वाले जो बाइडन और उनके प्रशासन के चार वर्षों के दौरान हुए भारी नुकसान से था और इस मामले में वह सौ फीसदी सही थे।

उन्होंने कहा कि अमेरिका को

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।